तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail: tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web: www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,बुधवार 08 अक्टूबर 2025 ■ कार्तिक कृष्ण पक्ष-2 ■ वर्ष -41 ■ अंक-191 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 09 अक्टूबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

संक्षेप

'2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा: ब्रिटिश पीएम स्टार्मर

लंदन,8 अक्टूबर। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दो दिवसीय भारत दौरे पर मुंबई पहुंचे हैं, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम स्टार्मर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। बता दें कि ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख सीईओ, अग्रणी उद्यमी, विश्वविद्यालय के कुलपति और सांस्कृतिक संस्थान के अधिकारी के साथ पीएम कीर स्टार्मर भारत पहुंचे हैं.बता दें कि ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख सीईओ, अग्रणी उद्यमी, विश्वविद्यालय के कुलपति और सांस्कृतिक संस्थान के अधिकारी के साथ पीएम कीर स्टार्मर भारत पहुंचे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है.इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है। ऐसे में अवसरों का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता किया। यह किसी भी देश द्वारा सबसे सुरक्षित है, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है; यह विकास का एक लॉन्चपैड है।

पीएम मोदी का 31 को रायपुर दौरा

रायपुर,8 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को देर शाम इंडियन एयरफोर्स के विशेष विमान से रायपुर पहुंचेंगे। उनका छत्तीसगढ़ दौरा इस बार बेहद खास रहेगा, क्योंकि वे राज्य स्थापना की रजत जयंती (25वीं वर्षगांठ) के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2025 के मुख्य अतिथि होंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन, ट्राइबल म्यूजियम और ब्रह्मकुमारी आश्रम का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम नवा रायपुर में निर्धारित किया गया है, जिससे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में प्रशासन को अधिक परेशानी नहीं होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 अक्टूबर की शाम रायपुर आगमन के बाद पीएम सत्य साई हॉस्पिटल का दौरा करेंगे। इसके बाद वे राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। 1 नवंबर की सुबह, प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वे ट्राइबल म्यूजियम और ब्रह्मकुमारी आश्रम का उद्घाटन करेंगे। शाम को वे राज्योत्सव के मुख्य समारोह में शामिल होंगे।

'मेड-इन-इंडिया 4जी स्टैक टेक वर्ल्ड में भारत की लीडरशिप का प्रमाण': मोदी

नई दिल्ली,8 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मेड-इन-इंडिया 4जी स्टैक टेक वर्ल्ड में भारत की लीडरशिप का प्रमाण है और यह अब निर्यात के लिए तैयार है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह विकास 'आत्मनिर्भर भारत विजन' की मजबूती और पिछले एक दशक में दूरसंचार क्षेत्र में हुई भारत की प्रगति को दर्शाता है।

5जी कनेक्टिविटी अब देश के लगभग हर जिले तक पहुंच गई है-प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 5जी कनेक्टिविटी अब देश के लगभग हर जिले तक पहुंच गई है, जो उन दिनों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है जब भारत 2जी नेटवर्क के लिए संघर्ष कर रहा था।

एक लाख टावर लगाने की उपलब्धि से भारत ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा-प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, एक लाख टावर लगाने की उपलब्धि से भारत ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जो कि दिखाता है कि देश बड़े स्तर पर टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर

बनाने में सक्षम है।4जी नेटवर्क से भारत की तकनीकी बढ़त और मजबूत होगीपीएम मोदी ने कहा, "नए 4जी नेटवर्क से तेज इंटरनेट स्पीड, अधिक विश्वसनीय सेवाएं और निर्बाध कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत की तकनीकी बढ़त और मजबूत होगी।"

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग 2014 के बाद 28 गुना बढ़ी-इसके अलावा संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में हुई प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि 2014 के बाद उत्पादन छह गुना बढ़ा है, जबकि मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग 28 गुना और निर्यात में 127 गुना की बढ़ोतरी हुई है।

पीएम मोदी ने स्टार्टअप और इनोवेशन की भूमिका को अहम बताया-प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि में स्टार्टअप और इनोवेशन की भूमिका को अहम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "इंडिया मोबाइल कांग्रेस अब एशिया का सबसे बड़ा डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम बन गया है, जो ग्लोबल स्टेज पर देश के टैलेंट और इनोवेशन को प्रदर्शित करता है।" प्रधानमंत्री ने इस सफलता का श्रेय भारतीयों की कर-बचत की मानसिकता और भारतीय युवाओं की जर्जा को भी दिया, जिसने देश को वैश्विक दूरसंचार और डिजिटल टेक्नोलॉजी में अग्रणी स्थान दिलाया है।

इतिहास में जनजातीय नायकों को नहीं मिला उचित स्थान : साय

रायपुर,8 अक्टूबर

राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आज जनजातीय गौरव दिवस को लेकर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार ने जनजातीय गौरव

दिवस को भव्य और ऐतिहासिक रूप से मनाने की व्यापक योजना बनाई है। पिछले वर्ष जशपुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम बेहद सफल रहा था, जिसकी सराहना स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी, जिससे देशभर में जनजातीय समाज के योगदान को सम्मान मिला। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि "हमारे जनजातीय समाज के अनेक वीर और गौरवशाली इतिहास हैं, जिन्हें इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिल पाया। राज्य सरकार का प्रयास है कि ऐसे सभी जननायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाए।" उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ष जनजातीय समाज के उत्थान के लिए विशेष बजट निर्धारित करती है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सीधे लाभ मिल रहा है। साय ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर बोलते हुए कहा, "भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। उन्होंने आदिवासी समाज को एकजुट कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की अलख जगाई थी। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस के मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रपति जी 16 नवंबर तक विदेश दौरे पर हैं, इसलिए कार्यक्रम की तारीख को 1-2 दिन आगे बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, ताकि वे स्वयं इस गौरवपूर्ण आयोजन में शामिल हो सकें।" कार्यशाला में जनजातीय विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, कला, और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य है कि इस वर्ष का आयोजन केवल एक दिवस तक सीमित न रह जाए, बल्कि पूरे राज्य में जनजातीय गौरव और विरासत का उत्सव बन सके।

महादेव सट्टा एप से जुड़े आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

रायपुर,8 अक्टूबर। महादेव सट्टा एप मामले में सभी 12 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है. सभी आरोपी बीते ढाई साल से रायपुर जेल में कैद हैं. महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में जेल में बंद रितेश यादव, भारत ज्योति, विश्वजीत राय, राहुल वकटे, नीतीश दीवान, भीम सिंह यादव, अर्जुन यादव, चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर समेत सभी 12 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है. सुप्रीम कोर्ट से दस्तावेज आते ही सभी आरोपियों को जेल से छोड़ दिया जाएगा.

कैसे हुई एप की शुरुआत-सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और अतुल अग्रवाल ने साल 2016 में महादेव बुक एप लॉन्च किया था. शुरुआत में इस एप पर ऑनलाइन सट्टेबाजी होती थी, जिस पर क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन जैसे खेलों के साथ पोकर, तीन पत्ती, वर्चुअल गेम यहां तक की चुनाव को लेकर भी भविष्यवाणी पर दांव लगाया जाता था. दुबई से संचालित होने वाला यह एप पूरा जुआ गतिविधियों के लिए कुख्यात हो गया.

कैसे बढ़ता गया कारोबार-पहले तीन साल में तो एप का ग्राहक आधार 12 लाख तक पहुंचा, लेकिन साल 2020 में इसके फाउंडर्स ने हैदराबाद स्थित रेड्डी अन्ना नामक एक और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को 1,000 करोड़ रुपए में खरीद लिया. इसके बाद तो महादेव ऐप के यूजर्स का बेस बढ़कर 50 लाख से भी पार चला गया और कमाई में ताबड़तोड़ बढ़ोतरी होनी शुरू हो गई. एप के संचालकों ने वॉट्सऐप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म से भी अपना बिजनेस खूब बढ़ाया और हजारों करोड़ का कारोबार खड़ा कर दिया.

सिंडिकेट के रूप में चलता था एप-महादेव एप एक सिंडिकेट के रूप में संचालित होता था, जो विभिन्न अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्मों को एकत्रित करता था. यह पैनल या शाखाओं को सहयोगियों की फ्रेंचाइजी बनाकर काम करता था. इन फ्रेंचाइजी के साथ 70 और 30 के अनुपात में मुनाफा बांटा जाता था. यूजर्स को कॉन्टैक्ट करने के लिए नंबर दिए जाते जिस पर संपर्क करके आईडी प्राप्त कर लेते और दांव लगाने के लिए पैसे जमा करते.

'एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं', राममोहन

नई दिल्ली। एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है, यह जांच नियमों के मुताबिक साफ और निष्पक्ष तरीके से की जा रही है। विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने यह बात एएआईबी की जांच पर उठ रहे सवालों के बीच कही। उन्होंने सभी से कहा कि असली वजह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार करें। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है।

ट्रैक्टर-ट्राली में दबकर मां-बेटी की मौत

दुर्ग,8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें मां और उसकी 2 साल की बेटी की मौत हो गई। यह घटना गया नगर की है, जहां स्कूटी चला रहे पिता के सामने ही मुरम से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने पत्नी और मासूम बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने पूरे दुर्ग शहर को झकझोर कर रख दिया है। जानकारी के अनुसार, गया नगर निवासी विकास साहू अपनी पत्नी और 2 साल की बेटी के साथ स्कूटी से काम के लिए जा रहे थे। जब वे गया नगर के भारतीय दयानंद आर्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के सामने से गुजर रहे थे, तभी सामने से मुरम से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली आई। स्कूटी चालक ने वाहन को साइड में करने के लिए ब्रेक लगाया, जिससे पीछे बैठी महिला और बच्ची अचानक नीचे गिर पड़ीं और पीछे से आती ट्राली के पहिए के नीचे आ गईं। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना होते ही आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। हादसे को देखकर पिता विकास साहू गहरे सदमे में चले गए हैं।

फ्रॉड केस में शिल्पा शेट्टी पर हाई कोर्ट सख्त 60 करोड़ जमा करें तभी जा पाएंगी विदेश

मुंबई,8 अक्टूबर। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा यदि विदेश जाना चाहते हैं तो उन्हें पहले 60 करोड़ रुपये की रकम जमा करनी होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह आदेश दिया है। शिल्पा शेट्टी और उनके पति ने अदालत से कहा था कि वे अमेरिका के लॉस एंजिलिस एवं अन्य देश जाना चाहते हैं। इस पर अदालत ने कहा कि उनके जाने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पहले 60 करोड़ रुपये जमा करने होंगे। दरअसल दंपति पर आरोप है कि उन्होंने एक कारोबारी से 60 करोड़ रुपये लिए और उसे नहीं लौटाया। कारोबारी दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज कुंद्रा ने उनसे कारोबार के नाम पर यह रकम ली, लेकिन इसे अपने निजी खर्च में इस्तेमाल किया। शिल्पा शेट्टी के घर सोमवार को ही आर्थिक अपराध शाखा की टीम पहुंची थी और उनसे 5 घंटे तक इस मामले में पूछताछ हुई थी। अधिकारियों ने इस दौरान कुछ दस्तावेज भी चेक किए थे। शिल्पा शेट्टी की ओर से कहा गया था कि वह जांच एजेंसी को सहयोग करने के लिए तैयार हैं और हर बात के जवाब दिए हैं। यह मामला उनकी कंपनी पुरानी ऐड कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। उनका कहना है कि मैंने एजेंसी को सभी दस्तावेज दिए हैं और कहा है कि वे जो भी कहेंगे, उसमें सहयोग के लिए भी तैयार हूं। यह पहला मामला नहीं है, जब शिल्पा शेट्टी और उनके पति को कानूनी विवाद झेलना पड़ा है। इससे पहले 2021 में राज कुंद्रा को पोर्नोग्राफी के एक केस में अरेस्ट किया गया था।

दो साल में सीएम साय और भूपेश बघेल के दौरे का लगा लें हिसाब:जायसवाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के जिलों के दौरे पर सवाल उठाए जाने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कांग्रेस को चुनौती दे डाली. उन्होंने कहा कि राज्यपाल सर्वेसर्वा होते हैं, अच्छा है वे दौरा कर रहे हैं.

रहा सवाल मुख्यमंत्री के दौरे का तो कांग्रेस नेता निकाल कर देख लें कि बीते दो सालों में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कितना दौरा किया. मुख्यमंत्री कहीं ज्यादा दौरे कर रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मीडिया से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. बिरनपुर मामले में सुनवाई को लेकर कांग्रेस के बयान पर कहा कि कांग्रेस को लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है. मामला न्यायालय में है, इस पर कांग्रेस कैसे टिप्पणी कर सकती है. न्यायालय जो भी तय करेगा वो मान्य होना चाहिए.

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में चचेरा भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली,8 अक्टूबर। सिंगर जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। खबर है कि SIT ने सिंगर के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है। खास बात है कि संदीपन असम पुलिस में डीएसपी पद पर हैं। वह सिंगर के साथ ही सिंगापुर यात्रा पर गए थे। जुबिन की 19 सितंबर को यॉच पार्टी के दौरान डूबने के चलते मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मामले में यह 5वीं गिरफ्तारी है। संदीपन भी जुबिन के साथ सिंगापुर गए थे और यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। खबर है कि वह भी यॉच पार्टी में थे और घटना के बाद जुबिन से जुड़ी चीजों को भारत लेकर आए थे। अधिकारियों का कहना है कि पांच दिनों की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। असम सीआईडी के एसडीजीपी मुन्ना गुप्ता ने कहा है, 'आज हमने पूछताछ के बाद संदीपन को गिरफ्तार किया है। चूंकि अभी जांच जारी है इसलिए इससे ज्यादा खुलासा नहीं कर सकते। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और पुलिस कस्टडी की मांग की जाएगी।' इससे पहले पुलिस ने 2 अक्तूबर को जुबिन के बैंड में शामिल शेखर ज्योति गोस्वामी, अमृतवर्व महंत को गिरफ्तार किया था। ये दोनों भी सिंगापुर में आयोजित यॉच पार्टी में थे। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया था कि गोस्वामी को जुबिन के काफी पास तैरते देखा गया था। जबकि, महंत की तरफ से वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही थी। साथ ही जुबिन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और फेस्टिवल मैनेजर श्यामकनु महंत को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

सारा खान ने गुपचुप रचाई दूसरी शादी

मुंबई,8अक्टूबर। टीवी शो 'बिदाई' से मशहूर हुई अभिनेत्री सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंध गई हैं। वह काफी समय से अभिनेता-निर्माता कृष पाठक के साथ रिश्ते में थीं। अब दोनों ने कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते पर मुहर लगाई है। सारा और कृष 5 दिसंबर, 2025 को भव्य तरीके से अपनी शादी का जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं। 'बिग बॉस 4' का हिस्सा रह चुकीं सारा की पहली शादी अभिनेता अली मर्चेंट के साथ हुई थी। सारा ने कहा, हमारी कोर्ट मैरिज निजी है, लेकिन उम्मीद है कि दिसंबर में हम अपनी शादी को नाच-गाने और जश्न के साथ धमाकेदार बनाएंगे।

भीख मांगने के बहाने चोरी, भिलाई टाउनशिप में घटी घटना सीसीटीवी में हुई कैद

दुर्ग,8 अक्टूबर। भिलाई टाऊनशिप में भीख मांगने वाले अब चोरी की घटना को भी अंजाम दे रहे हैं. टाउनशिप में 15 दिन के भीतर 7 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं. ताजा मामला भिलाई के सेक्टर 1, सड़क 11 का है, जहां भीख मांगने आए पति-पत्नी ने मकान से लैपटॉप पार कर दिया. इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. सीसीटीवी फुटेज में भीख मांगने के लिए घर के गेट पर एक महिला एक पुरुष और एक बच्चा खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है. सभी बहुत देर तक गेट पर ही खड़े रहे. घर में कोई नजर नहीं आने पर चोर शातिर चोर ने गेट का दरवाजा धीरे से खोला और फिर घर के अंदर दाखिल हो गया. कुछ सेकेंड बाद बाहर निकला, तो उसके हाथ में लैपटॉप था. उसने लैपटॉप को अपने साथ वाली महिला के थैले में डाला और सभी वहां से रफू चक्कर हो गए. मकान मालिक नागेश्वर राव शाम के वक्त घर पहुंचे तो उन्हें लैपटॉप नहीं मिला, जिसके बाद सीसीटीवी कैमरा चेक किया गया. तो चोरी की वारदात सामने आई. नागेश्वर राव ने भट्टी थाने में लैपटॉप चोरी की लिखित में शिकायत दर्ज कर दी है. इसी तरह सड़क 11 से ही दूसरे बीएसपी कर्मी का चोर ने आईफोन और अन्य दो लोगों के मोबाइल चुराकर ले गए. जिसकी शिकायत भी भट्ठारी थाने में दर्ज कराई गई है. त्योहारी सीजन में लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं ने रहवासियों के साथ-साथ पुलिस की मुसीबत बढ़ा दी है.

आदिवासी की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट की CBI को फटकार

नई दिल्ली,8 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में पुलिस हिरासत में एक आदिवासी शख्स की मौत के मामले में सीबीआई को फटकार लगाई है। कोर्ट ने पूछा है कि इस मामले के आरोपी दो पुलिस अफसरों को पकड़ने के लिए कोर्ट के आदेश की जरूरत क्यों है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने राज्य सरकार से निलंबित अधिकारियों के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई के बारे में भी जानकारी देने को कहा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाते हुए कहा, आप इतने दिनों में उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं कर पाए? सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन इस तरह नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि हमने कहा था कि हम मुख्य सचिव को आज उपस्थित रहने के लिए कहेंगे, इसलिए आपने कार्रवाई की। आप बताइए कि ऐसा क्यों हुआ। हम इस मामले को बंद नहीं करेंगे। ये मामला जुलाई 2024 में एक आदिवासी युवक देव पारधी की पुलिस हिरासत में मौत से जुड़ा है। मध्य प्रदेश के दो अधिकारियों पर देव पराधी प्रताड़ित कर मार डालने का आरोप है। आरोप है कि पीड़ित के चाचा, जो एकमात्र चश्मदीद गवाह थे, उन पर भी बेरहमी से हमला किया गया और कथित तौर पर उनकी गवाही को कमजोर करने के लिए उन्हें कई मामलों में फंसाया गया। इस साल मई में, सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय जांच कई खामियां पाई थीं जिसके बाद, मामला सीबीआई को सौंप दिया और एक महीने के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया था।

समय तक भी जब गिरफ्तारी नहीं हुई तो पीड़ित परिवार ने अदालत की अवमानना की याचिका के साथ फिर से कोर्ट का रुख किया, जिसमें अदालत ने 15 मई के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा करने का आरोप लगाया गया। इससे पहले 25 सितंबर को, पीठ ने फटकार पुलिस अधिकारियों का वेतन देना जारी रखने और उनको सस्पेंड करने में देरी करने के लिए राज्य की कड़ी आलोचना की थी। वहीं इसके एक दिन बाद कोर्ट ने दो पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार न करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार और सीबीआई को फिर से फटकार लगाई और उन्हें कोर्ट के निर्देशों का पालन करने का एक आखिरी मौका दिया। आज, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने कोर्ट को सूचित किया कि दोनों अधिकारियों उत्तम सिंह और संजीव सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई की ओर से वरिष्ठ वकील ने कहा, हमने निर्देशों का पालन किया है और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उत्तम सिंह को इंदौर में गिरफ्तार किया गया था, और संजीव सिंह को 5 अक्टूबर को शिवपुरी में हिरासत में लिया गया था। हालांकि कोर्ट ने कहा कि वह इस बात का सफाई चाहता है कि कोर्ट की अवमानना याचिका दायर होने के बाद ही गिरफ्तारी क्यों हुई।

सक्ती के आरकेएम पावर प्लांट में बड़ा हादसा: 3 मजदूरों की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के डभरा स्थित आरकेएम पावर प्लांट में मंगलवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। बॉयलर मेंटेनेंस के दौरान मजदूरों को ले जा रही लिफ्ट अचानक करीब 40 मीटर (131 फीट) की ऊंचाई से नीचे गिर गई। इस हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, 10 मजदूर लिफ्ट में सवार होकर पांचवीं मंजिल तक जा रहे थे, लेकिन लगभग 40 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद लिफ्ट का वैलेंस बिगड़ गया और वह नीचे गिर गई। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर दो मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि तीसरे ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सभी घायलों को निजी फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

परिजन और मजदूरों का हंगामा-हादसे के बाद बड़ी संख्या में मजदूरों और उनके परिजन प्लांट गेट के बाहर जमा हो गए और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सूचना पर डभरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

शुरुआती जांच में तकनीकी खराबी की आशंका-पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय मजदूर बॉयलर की मरम्मत (मेंटेनेंस) के काम में लगे हुए थे। प्रारंभिक जांच में लिफ्ट में तकनीकी खराबी की बात सामने आई है, हालांकि प्रबंधन की लापरवाही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

मजदूर बोले - नियमित जांच नहीं होती थी-स्थानीय मजदूरों का कहना है कि लिफ्ट की तकनीकी जांच लंबे समय से नहीं की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन की लापरवाही से यह बड़ा हादसा हुआ। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि देने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

एक नजर

चिट्टा तस्करी,6 और गिरफ्तार

भिलाई, 8 अक्टूबर। भिलाई नशे के खिलाफ चल रहे विश्वास अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने चिट्टा तस्करी के संगठित नेटवर्क पर एक और बड़ी कार्रवाई की है मोहन नगर थाना पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने 6 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है इसके साथ ही इस गिरोह से जुड़े कुल 30 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई मोहन नगर पुलिस ने बताया कि आरोपी पंजाब से चिट्टा (हेरोइन) मंगाकर दुर्ग-भिलाई में बिक्री करते थे। यह गिरोह पूरी सप्लाई चेन बनाकर नशे का कारोबार चला रहा था। आरोपी आपस में वाट्सऐप कॉल और ऑनलाइन माध्यम से लेन-देन कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयदीप साहू (29 साल) निवासी संतोषी चौक जामुल, दीपक गुप्ता (35 साल) निवासी न्यू खुर्सीपार, सागर जायसवाल (27 साल) निवासी हाउसिंग बोर्ड थाना जामुल, अजय शर्मा (31 साल) निवासी कुरूद थाना जामुल, आकाश चौधरी (26 साल) निवासी कुरूद थाना जामुल व अंकित वर्मा (28 साल) कुरूद थाना जामुल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार नग मोबाइल जब्त किया है। जिनका उपयोग नशे के सौदों में किया जाता था। अब तक इस मामले में 24 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान जारी है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के पंजाब से जुड़े तारों की भी जांच की जा रही है और नेटवर्क के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है।

बाइक चोर गिरफ्तार

भिलाई, 8 अक्टूबर। भिलाई पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है आरोपी के पास से मोटरसाइकिल को जब्त किया है पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि प्रार्थी सुरेश कुमार साहू निवासी सुभाष नगर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि चोपड़ा पेट्रोल पंप के पास उसने अपनी मोटरसाइकिल को खड़ी किया था जिसे अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है सूचना पर पुलिस ने आरोपी बुद्धेश्वर साहू (24 साल) निवासी सुभाष नगर को पकड़ा उसके पास से मोटरसाइकिल बजाज डिस्कवर बरामद की गई है उक्त कार्यवाही में पद्मनाभपुर थाना सउनि चंद्रशेखर सोनी, प्रधान आरक्षक मनीष अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक लक्ष्मी देवांगन, आरक्षक गजेन्द्र यादव, खिलेश कुर्रे, हिमांशु जंघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

एसएसपी ने थानावार जानकारी ली

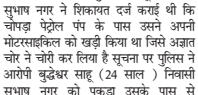

भिलाई, 8 अक्टूबर। दुर्ग सब डिवीजन के सभी थाना/चौकी प्रभारियों एवं मददगार, रीडरों का पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर 6 में दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने बैठक लिया इस बैठक में विभिन्न थानों के निगरानी एवं गुंडा बदमाशों की हिस्ट्रीशीट को आदतन करने के संबंध में पृथक पृथक थाना वार जानकारी ली बैठक में निगरानी रजिस्टरो मे आधार कार्ड, अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर दर्ज करने एवं ऑनलाइन आपराधिक रिकॉर्ड निकाल कर रजिस्टरों मे अपडेट करने हिदायत दी। थाना के प्रत्येक आरक्षक, प्रधान आरक्षक एवं विवेचकों को नामजद जिम्मेदारी देकर बदमाशों की लगातार चेकिंग करने बताया गया हिस्ट्रीशीट में प्रत्येक तीन-तीन माह में राजपत्रित अधिकारियों का टिप दर्ज करने संबंधी आवश्यक निर्देश दिया गया।

तालाब के पास युवक की लाश मिली

भिलाई, 8 अक्टूबर । पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के ट्रैक्टर खदान तालाब के पास एक युवक की क्षत विक्षत लाश मिलने से सनसनी फैल गई फिलहाल पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि टैक्टर खदान तालाब के पास लाश मिलने की सूचना पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे इंदिरा पारा निवासी एक युवक ने मृतक के हाथ में पहने कड़ा को देख उसके भाई रोहित कुमार गेंदले (55 साल) के रुप में की मृतक रोहित पिछले सप्ताह भर से गायब था फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है ।

रजत जयंती पर हो रहा कौशल पखवाड़ा शिविर का आयोजन

मोहला,8 अक्टूबर । कौशल विकास प्राधिकरण जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी अंतर्गत राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती वर्ष 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री दुकालू राम ध्रुव डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक संचालक, जिला कौशल विकास प्राधिकरण मोहला-मानपुर-अ.चौकी के अध्यक्षता में जिले में कौशल विकास प्राधिकरण अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं विभागीय योजनाओं, उपलब्धियों को उल्लेखित करने हेतु 06 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक विशेष सप्ताह जिसमें विभागीय गतिविधियों के साथ ही जिले के सभी विकासखंड में कौशल पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम अंतर्गत 6 अक्टूबर को जिले में कौशल विकास प्राधिकरण अंतर्गत पंजीकृत संस्था लोक कल्याण सेवा समिति द्वारा अंबागढ़ चौकी में शिविर का आयोजन किया गया।

नगर निगम ने बकाया संपत्ति कर नहीं भरने पर दुकान को सील कर दिया

भिलाई, 8 अक्टूबर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया संपत्ति कर की वसूली के लिए की जा रही कार्रवाई के तहत जोन 04 क्षेत्र के पुरानी बस्ती छावनी निवासी रामाधार सिंह की एक दुकान को सील किया गया। रामाधार सिंह द्वारा अपनी दुकान 'विवेक ट्रेडर्स' किराये पर दी गई थी, जहां कबाड़ का सामान रखकर व्यवसाय किया जा रहा था। मकान मालिक पर पिछले तीन वर्षों का ₹69,781 का बकाया संपत्ति कर था। निगम द्वारा पूर्व में बकाया कर का भुगतान करने हेतु चेक प्राप्त किया गया था, परंतु बैंक खाते में राशि की अनुपलब्धता के कारण चेक बाउंस हो गया। बकाया राशि की जानकारी और नोटिस दिए जाने के बावजूद मकान मालिक द्वारा भुगतान नहीं किया गया। इस पर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार कुर्की दल मौके पर पहुंचा और संपत्ति कर जमा करने के लिए समझाइश दी गई। बकाया राशि जमा न होने पर कार्रवाई करते हुए दो दुकानों में से एक दुकान को सील कर निगम के अधीन ले लिया गया। इसके साथ ही अन्य दुकानों से मिलाकर लगभग 1.80 रु लाख की बकाया संपत्ति कर वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, वसंत देवांगन, विजेंद्र परिहार, वत्सल, विनोद वर्मा, गंगा चौहान सहित एसपीएस एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया मोबाइल एप से प्रशिक्षण

भिलाई, 8 अक्टूबर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों में अब राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। इस हेतु निगम मुख्यालय के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 155 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण योजना के नोडल अधिकारी नरेंद्र कुमार बंजारे एवं प्रोग्रामर दीप्ति साहू के निर्देशन में कंप्यूटर ऑपरेटर अंजू साहू द्वारा प्रदान किया गया। नगर निगम भिलाई ने सभी पेंशन हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने वार्ड के नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर शीघ्र अपना सत्यापन करा लें, ताकि पेंशन का लाभ बिना किसी बाधा के निरंतर मिलता रहे।

अहिवारा विधानसभा में 10 ओपन जिम निर्माण हेतु 60 लाख रुपए स्वीकृत

दुर्ग, 8 अक्टूबर । कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के तहत् प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा अंतर्गत विकासखण्ड धमधा में 10 निर्माण कार्यों के लिए 60 लाख रुपए की स्वीकृत दी है। जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा।

रणनीति-25 निदेशक (कार्मिक) कप प्रतियोगिता का शुभारंभ

भिलाई, 8 अक्टूबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में 7 अक्टूबर को रणनीति 2025 निदेशक (कार्मिक) कप (स्टेज-1) प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक बी.के. गिरी ने कहा कि रणनीति जैसी प्रतियोगिताएं प्रतिभागियों को वास्तविक प्रबंधन परिस्थितियों में निर्णय क्षमता और विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने का अवसर देते हैं। इस प्रतियोगिता में 31 टीमों ने पंजीकरण कराया, जिनमें एसएसपी की तीन टीमें भी शामिल हैं। प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद 27 टीमें दो समूहों में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। कार्यक्रम का समन्वयन कार्यकारी महाप्रबंधक प्रभारी मुकुल कुमार सहारिया के मार्गदर्शन में हुआ। संचालन सुश्री सुष्मिता पाटला ने किया तथा धन्यवाद ज्ञाप यशवंत सिंह जौहरी ने प्रस्तुत किया।

विकास कार्य के लिए15 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग, 8 अक्टूबर । कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए निर्माण कार्य के लिए 15 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई

सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिका निगम भिलाई जिला दुर्ग द्वारा किया जाएगा।

आयुक्त ने निर्माणाधीन एमआरएफ प्लांट एवं आवास का किया औचक निरीक्षण

भिलाई, 8 अक्टूबर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन 02 वैशालीनगर अंतर्गत निर्माणाधीन मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी प्लांट, एस.एल.आर.एम. सेंटर तथा जोन 01 खम्हरिया स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने जामुल ट्रेंचिंग ग्राउंड के समीप निर्माणाधीन एमआरएफ प्लांट का निरीक्षण करते हुए कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश उप अभियंता अर्पित बंजारे एवं निर्माण एजेंसी अनुराग शर्मा को दिए। उन्होंने गौठान व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए कुछ मवेशियों के शिफ्टिंग संबंधी विषय पर जॉन आयुक्त ऐशा लहरे से चर्चा की। इसके पश्चात आयुक्त ने समीपस्थ एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण किया। यहां कार्यरत स्वच्छता दीदियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच करते हुए उन्होंने कार्य की आवश्यकता के अनुसार दीदियों की तैनाती करने के सुझाव दिए, जिससे व्यय और कार्यप्रदर्शन में संतुलन बना रहे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कुरूद कैलाश नगर स्थित कृष्णकुंज उद्यान के पास निगम की रिक्त भूमि का भी निरीक्षण किया तथा उस स्थल पर तार फेंसिंग कर पौधारोपण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही जोन 01 अंतर्गत खम्हरिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों का भी निरीक्षण किया गया। यहां कुछ परिवार पहले ही आवासों में निवास करने लगे हैं। आयुक्त ने निर्माण एजेंसी को शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को जल्द आवास उपलब्ध कराया जा सके। आवास निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता दीपक देवांगन, आदित्य सिंह तथा एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महाराजा अजमीढ़ जयंती पर स्वर्णकार समाज ने परम्परा के संरक्षण पर दिया जोर

भिलाई, 8 अक्टूबर। मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में मंगलवार को वैशाली नगर स्थित सांस्कृतिक भवन में महाराजा अजमीढ़ जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। समाज के अध्यक्ष मांगीलाल सोनी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सदस्य, महिलाएं, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की एकता, संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के आदि पुरुष, हस्तिनापुर के राजा रहे महाराजा अजमीढ़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुई। समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया गया। इसके बाद महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सामूहिक भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के अध्यक्ष मांगीलाल सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा अजमीढ़जी का जन्म त्रेता युग के अंत में हुआ था। मर्यादा पुरुषोत्तम के समकालीन ही नहीं अपितु उनके परम मित्र भी थे। उनके दादा महाराजा श्री शक्ति थे जिन्होंने प्रसिद्ध हस्तिनापुर बसाया था। महाराजा हस्ति के पुत्र विकुंठन एवं दशाह राजकुमारी महारानी सुदेवा के गर्भ से महाराजा अजमीढ़जी का जन्म हुआ। महाराजा अजमीढ़ केवल हमारे समाज के आदि पुरुष ही नहीं, बल्कि एकता, साहस और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में भाईचारा, सहयोग और संस्कारों की परंपरा को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और संगठन को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक वर्ष महाराजा अजमीढ़ जयंती इसी तरह बड़े स्तर पर मनाई जाएगी, जिससे समाज के युवाओं में अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम में किशोर सोनी, संतोष सोनी, पेश्वर्य सोनी, कीर्ति सोनी, मीनाक्षी सोनी, कुसुम सोनी, संतोष देवी सोनी, प्रदीप सोनी, हर्ष सोनी, शुभम सोनी सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं युवा सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

सड़कों पर नुकीले पिंजरे वाले ट्रैक्टर चलाने पर रोक

दुर्ग, 8 अक्टूबर । उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश के परिपालन में जिले में नुकीले पिंजरे वाले दोहरे पहिए लगे ट्रैक्टरों को सड़क पर चलाने पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। ज्ञात हो कि नुकीले पिंजरे वाले दोहरे पहिए लगे ट्रैक्टरों का उपयोग किसानों द्वारा केवल खेतों में कृषि कार्य हेतु किया जाता है। परंतु कृषि कार्य में उपयोग किए जाने वाले इन ट्रैक्टरों को पिंजरे वाले पहिये हटाए बिना ही, अनाधिकृत और लापरवाही पूर्ण तरीके से सामान्य सड़कों, सीमेंट की सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाया जा रहा है।

जेएलएन अस्पताल में अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह की शुरुआत

भिलाई, 8 अक्टूबर। जे.एल.एन. अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह की शुरुआत हुई। वक्ताओं ने कहा कि संक्रमण नियंत्रण की दिशा में अपनाए जा रहे कदम अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। विशेषज्ञ डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर ने महामारी के दौरान अपनाई गई सावधानियों को निरंतर बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आगंतुक नियंत्रण संक्रमण प्रसार की रोकथाम में अहम भूमिका निभाता है, अतः इस दिशा में सभी को सजग रहना चाहिए। वहीं, डॉ. उदय कुमार ने अवसरवादी संक्रमणों की रोकथाम के लिए सतत जागरूकता और अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन चीफ कंसल्टेंट डॉ. आकांक्षा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक सुश्री अनुजा सक्सेना ने प्रस्तुत किया।

जिले में ग्रामीणों को क्यूआर कोड से मिलेगी मनरेगा की पूरी जानकारी

दुर्ग, 8 अक्टूबर । जिले में प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाला 'रोजगार दिवस' इस बार डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में क्यूआर कोड लगाए गए।

जिनके माध्यम से ग्रामीण अब अपनी पंचायतों में चल रहे मनरेगा कार्यों की जानकारी सीधे अपने मोबाइल फोन से प्राप्त कर सकते हैं।

वन्यजीवों पर केंद्रित समूह प्रदर्शनी का उद्घाटन

भिलाई, 8 अक्टूबर। राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर बीएसपी के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरीए इंदिरा प्लेस सिविक सेंटर में वन्यजीवों पर केंद्रित समूह छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन 6 अक्टूबर को किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक मानस कुमार गुप्ता ने संध्याकाल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध फोटोग्राफर अनूप कुमार नायकए डॉण् हिमांशु गुप्ता और दानेश कुमार सिन्हा द्वारा खींचे गए दुर्लभ और मनमोहक वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैंए जो प्रकृति की सुंदरता और जैव विविधता का अद्भुत चित्रण प्रस्तुत करते हैं। इस अवसर पर एक विशेष पहल के तहत श्री शंकरा विद्यालय के कक्षा 7वीं के बाल कलाकार मास्टर स्पंदन सेनगुप्ता ने सिंथेसाइजर पर एकल संगीतमय प्रस्तुति दीए जिसने कार्यक्रम का वातावरण जीवंत और आनंदमय बना दिया। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क अमूल्य प्रियदर्शी, सहायक महाप्रबंधक जनसंपर्क जवाहर बाजपेयी, उप प्रबंधक जनसंपर्क सुश्री शालिनी चौरसिया सहित संयंत्र के अधिकारी, कर्मचारी, आट्र्स क्लब के सदस्य, वरिष्ठ कलाकार और फोटोग्राफी प्रेमी उपस्थित थे।

नाले में शिशु का भ्रूण मिला,पुलिस जांच में जुटी

भिलाई, 8 अक्टूबर। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र में आज संजय नगर से होकर गुजरने वाले नाले में एक बालक शिशु का भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई सूचना पर सुपेला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भ्रूण को कब्जे में लिया और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भिजवा दिया इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालते हुए पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। प्रथम दृष्टया मामले को अवैध संबंधों से जोड़कर देखा जा रहा है अनैतिक संबंध की परिणति में बालक शिशु के भ्रूण को नाले में फेंक दिए जाने की संभावना जताई जा रही है फोरलेन सड़क से लगे टाटा मोटर्स शो रूम के पास संजय नगर नाले के पानी में बालक शिशु का भ्रूण तैरते मिला है इस बात की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जुट गई सूचना मिलते ही सुपेला थाना पुलिस की टीम भी वहां पहुंची पुलिस ने भ्रूण को नाले से बाहर निकालकर सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भिजवाया पुलिस की टीम भ्रूण मिलने वाली जगह तक पहुंचने वाले सभी रास्तों पर उपलब्ध सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है फुटेज देखने से यह पता चल सकता है कि भ्रूण को नाले तक लेकर आने वाला आखिर कौन है वैसे पुलिस को शंका है कि अवैध संबंधों के चलते गर्भधारण के बाद लोक लाज के भय में गर्भपात का प्रयास होने पर बालक शिशु का भ्रूण सामने आया है। जिसे उसके जैविक पिता या माता ने लोगों से छिपाकर संजय नगर नाले में लाकर फेंक दिया। भ्रूण में किसी तरह का अस्पताल से संबंधित कोई टैग नहीं पाया गया है। जिससे भ्रूण के अवैध संबंधों की परिणति होने की संभावनाओं पर चर्चा सरगर्म है फिलहाल

सामुदायिक भवन निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

तित्दा नेवरा, 8 अक्टूबर। टंकारा वर्मा कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के घोषणा के अंतर्गत सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण का भूमि पूजन कार्यक्रम किसान राइस मिल के पास वार्ड क्रमांक 3 में संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रकला डॉक्टर खुमान वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद तित्दा नेवरा रही उन्होंने कहा की कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन टंकारा वर्मा के प्रयास से नगर का चहुमुखी विकास की गंगा बह रही है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि और भाजपा रायपुर ग्रामीण महामंत्री अनिल अग्रवाल ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनीस ठाकुर ,भाजपा रायपुर ग्रामीण उपाध्यक्ष राम पंजवानी ,मण्डल अध्यक्ष मनोज निषाद ,नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती पलक विकास सुखवानी,पार्षदगण ,रानी सौरभ जैन ,विनोद नेताम, राजकुमार गेड़े ,धर्मेंद्र डहरिया ,डाक्टर खुमान वर्मा ,नरेंद्र शर्मा तथा पार्टी पदाधिकारीगण जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्तागण एवं वार्ड वासी उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा में कवियों ने सजी महफिल

रायपुर। जुल्फों में सजा ले मुझे गजरे की तरह
सारी रात महकूंगा संदल की तरह- संजीव ठाकुर

शरद पूर्णिमा में कविताओं से भीगी शामद्य शरद पूर्णिमा की बेला में कवियों की महफिल बरसाना एनक्लेव में कौशल काव्य धारा संस्था द्वारा टाटीबंध में आयोजित की गई। ख्याति प्राप्त कवि संजीव कुमार ठाकुर ने अपनी गजलों से समा बंधा,

अपनी आंखों में सजा ले मुझे काजल की तरह,
मैं समा जाऊंगा बाहों में आंचल की तरह।
अपनी आंखों में सजा ले सावन की तरह

झूम कर बारसूंगा बादल की तरह॰

शहर की प्रतिष्ठित संस्था कौशल काव्य धारा के अध्यक्ष जे के डागर द्वारा अपने जन्म दिवस पर आयोजित शरद पूर्णिमा पर इस रसीले काव्य धारा के आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण रचनाएं सुनाई, शायर केपी सक्सेना ने कहा

कौन है सच्चा सनातनी
इसी में मची है तनातनी।

कुमार जगदलवी ने वर्तमान परिदृश्य से संबंधित अनेक कवितांए सुनाई, यशवंत यदु ने अपनी धारदार व्यंग्य रचनाएं सुनाई,

वरिष्ठ कवि अमरनाथ त्यागी ने अपने छंद और दोहे सुनाकर मंत्र मुक्त कर दिया ,कवि सूर्यकांत देवांगन प्रचंड ने ओज की कविता सुनाकर सभी श्रोताओं में जोश भर दिया। इस आयोजन में महिला शक्ति ने बढ़-चढ़कर सहभागिता रखी- कवित्री सुषमा पटेल ने छंद दोहे में अपनी बात रखी, आशा पाठक डेट बघेलखंडी लोकगीत सुनाएं, श्रीमती कल्याणी तिवारी ने भी मधुर गीत गाकर सबको मंत्र मुक्त कर दिया, नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा ने भी अपनी बात गीतों में रखी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कवि सुनील पांडे ने अपनी पंक्तियों में सूत्रधार की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई धन्यवाद ज्ञापन आयोजक जे के डागर ने किया।

निधन

बेचन सिंह

भिलाई, 8 अक्टूबर। इस्पात नगर निवासी शहीद रजनीकांत सिंह के पिता बेचन सिंह का मंगलवार की सुबह 7 बजे देहावसान हो गया। इनका अंतिम संस्कार 8 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रिसाली मुक्तिधाम में किया गया।

संतों के आशीर्वाद और जनसहयोग से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है विकास और आस्था के मार्ग पर :साय

रायपुर, 8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ की पुण्यभूमि माता कौशल्या की जन्मस्थली होने के साथ-साथ प्रभु श्रीराम का ननिहाल भी है – यह हमारे लिए परम सौभाग्य और गर्व का विषय है। प्रभु श्रीराम ने अपने चौदह वर्षों के वनवास काल का अधिकांश समय इसी पावन छत्तीसगढ़ की धरती पर व्यतीत किया, जिससे यह भूमि भक्ति, त्याग और मर्यादा की दिव्यता से आलोकित हुई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम बड़े जुंगेरा स्थित माँ कौशल्या धाम, जामड़ी पाटेश्वर आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने संत श्री रामकृष्णदास महात्यागी एवं संत श्री रामजानकीदास महात्यागी के समाधि स्थल पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दोनों संत महापुरुषों के राष्ट्र, समाज और अध्यात्म के प्रति योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग, तप और सेवा से छत्तीसगढ़ की यह भूमि आज भी आलोकित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबाजी तेजस्वी साधक और त्याग, सेवा व अध्यात्म के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन लोककल्याण और मानवता की सेवा को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे संतों की प्रेरणा ही हमारे समाज की आत्मा और राज्य के सांस्कृतिक गौरव की आधारशिला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम के ननिहाल में आकार ले रहा यह दिव्य धाम छत्तीसगढ़ की आस्था, संस्कृति और गौरव का प्रतीक बनेगा। उन्होंने संत बालक दास महात्यागी जी से भेंट कर निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

एक नजर

विलेज विजन कार्ययोजना का वाचन एवं अनुमोदन निरंतर किया जा रहा

बालोद, 8 अक्टूबर। केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए महत्वाकांक्षी आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिले के 186 ग्रामों में अलग-अलग तिथियों में आयोजित किए जा रहे विशेष ग्राम सभा के दौरान विलेज विजन कार्य योजना का वाचन एवं अनुमोदन का कार्य निरंतर जारी है। इसके अंतर्गत गुरुर विकासखंड के ग्राम बोहारडीह, पोंड, चिरचारी, कोचवाही तथा डौंडी विकासखंड के ग्राम रजही, धोबनी अ, नर्रालगुड़ा, बलोदा सहित आज जिले के कुल 27 ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजन किया गया। इस दौरान आदिवासी समाज के लोगों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीण तथा आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत चयनित वांलिंटियर एवं विभिन्न विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में गांव एवं गांव में निवासरत जनजातीय परिवार के लोगों के मांगों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप विलेज विजन कार्य योजना का वाचन एवं अनुमोदन का कार्य किया गया। उल्लेखनीय है कि आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी विकासखण्डों के चयनित ग्रामों में आदि सेवा पर्व का आयोजन कर जन-जागरण रैली, ट्रांसेक्ट वॉक, केंद्रित सामुहिक चर्चा और गाँव का नजरी नक्शा बनाने की गतिविधियों के माध्यम से विलेज वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं जनजातीय परिवार के लोगों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

गुण्डरदेही में किया गया कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन

बालोद, 8 अक्टूबर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुण्डरदेही में 04 अक्टूबर 2025 को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चन्द्राकर उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुण्डरदेही के प्राचार्य श्री एसडी खिलारी ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री बिरेन्द्र साहू, सेवानिवृत्त प्रशिक्षण अधीक्षक श्री विष्णु लाल ठाकुर उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अभिभाषण को प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्था में तत्कालीक प्रसारण किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा कोपा व्यवसाय के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को एनटीसी प्रमाण पत्र व प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को मोमेन्टो प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चन्द्राकर ने वर्तमान समय में कौशल विकास के आवश्यकता एवं महत्ता के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर देश की प्रगति में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के भूमिका को अत्यंत आवश्यक बताया। इस दौरान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षण अधिकारी श्री मोहित कुमार साहू, श्री जितेन्द्र कुमार, श्री पुरन लाल ठाकुर, श्री आशीष कुमार साहू तथा कार्यालयीन स्टॉफ से श्री कौशल कुमार धनकर, श्री युधिष्ठिर साहू सहित प्रशिक्षणार्थी एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित थे।

अग्निवीर थलसेना भर्ती के लिए निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण

बलौदाबाजार, 8 अक्टूबर। भारतीय अग्निवीर थलसेना भर्ती में लिखित परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यार्थियों के लिए जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के वे आवेदक जिन्होने अग्निवीर की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है और उक्त प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते है, वे इच्छुक आवेदक 17 अक्टूबर 2025 तक अग्निवीर थलसेना के ऑनलाईन पंजीयन फार्म एवं आधार कार्ड के साथ जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार में उपस्थित होकर अपना नाम दर्ज करा सकते है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नम्बर 07727-299443 पर सम्पर्क कर सकते है।

छात्र-छात्राओं ने किए शिक्षा संबंधी,अभिरुचि और संस्कृति से संबंधित सवाल

तिल्दा नेवरा 8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना सामाजिक अंकेक्षण के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बी एन बी ओर सासाहोली के छात्र-छात्राओं से शिक्षा संबंधी,अभिरुचि और संस्कृति से संबंधित सवाल किए गए एवं बच्चों के द्वारा जवाब दिया गया एवम शिक्षा विभाग के आए अधिकारियों के द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया गया इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एसएमडीसी के अध्यक्ष एवं समिति के सदस्य, शिक्षक शिक्षिकाएं व क्षेत्र के पार्षदगण एवं पलकगण उपस्थित रहे बी एन बी अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा साशाहोली हाई स्कूल अध्यक्ष पार्षद रानी सौरभ जैन सहित दोनों स्कूलों के सदस्य प्रभारी प्राचार्य शिक्षक उपस्थित थे।

3.16 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण, एसटीपी का भूमिपूजन भी किया

अटलजी के सम्मान में सभी नगरीय निकायों में बना रहे अटल परिसर:साव

रायपुर, 8 अक्टूबर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज जांजगीर-चांपा जिले के चार नगरीय निकायों में तीन करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने नवागढ़ में दो करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से बनने वाले एसटीपी का भूमिपूजन भी किया। श्री साव ने आज पामगढ़ नगर पंचायत पामगढ़ में 19 लाख 95 हजार रुपए, राहौद नगर पंचायत के बुंदेला चौक में 19 लाख 95 हजार रुपए, खरौद नगर पंचायत में 19 लाख 93 हजार रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के हाट-बाजार परिसर में 19 लाख 95 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। विधायक श्री ब्यास कश्यप तथा पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष श्री नारायण चंदेल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पामगढ़ नगर पंचायत में भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए तथा विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने राहौद नगर पंचायत के लिए दो करोड़ रुपए, खरौद नगर पंचायत के लिए तीन करोड़ रुपए तथा नवागढ़ नगर पंचायत के लिए ढाई करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर पंचायत राहौद के वार्ड क्रमांक 8 में सांस्कृतिक भवन लागत 11 लाख रुपए, देवांगन समाज धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष लागत 10 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 15 में सामुदायिक भवन लागत 15 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 10 में पकरिया पारा में स्कूल के पास सांस्कृतिक भवन लागत 10.42 लाख रुपए, नगर पंचायत खरौद में सी.सी. रोड निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 06 व 13 के पांच विभिन्न मार्गों पर 22.45 लाख रुपए की लागत से पूर्ण, वार्ड क्रमांक 13 में पुलिया से मुक्तिधाम तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 27.41 लाख रुपए, शबरी देवी शिक्षा समिति भवन निर्माण कार्य लागत 9.99 लाख रुपए एवं वार्ड क्रमांक 07 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 9.83 लाख रुपए, गांधी चौक, मुक्तिधाम, लक्ष्मणेश्वर मंदिर, शीतला मंदिर एवं कंपाटनी मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक कार्य लागत 95.84 लाख रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में सांस्कृतिक भवन निर्माण लागत 24.57 लाख रुपए का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनके सम्मान में राज्य के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। अटलजी ने गांवों, किसानों और नागरिकों के लिए ऐतिहासिक योजनाएं शुरू कीं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव तक पहुंच और विकास संभव हो पाया।

छत्तीसगढ़ की आत्मा और अस्मिता को नमन करने का अवसर : चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा कि आज जिले के चार नगरीय निकायो में अटलजी की प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। यह केवल प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा और अस्मिता को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि अटलजी ने न केवल छत्तीसगढ़ की जनभावनाओं को समझा, बल्कि उसे साकार भी किया। वर्षों से हमारे पुरखे यह सपना देखते आ रहे थे कि हमारा छत्तीसगढ़ एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आए, पर उसे पूरा करने का ऐतिहासिक कार्य अटलजी ने किया। पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, नगर पंचायत पामगढ़ अध्यक्ष श्रीमती गौरी जांगड़े, नगर पंचायत राहौद अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा कश्यप, नगर पंचायत खरौद अध्यक्ष श्री गोविंद यादव, नगर पंचायत नवागढ़ अध्यक्ष श्रीमती अर्चना देवांगन और कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

समाचार संक्षेप

अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 8 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 06.10.2025 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी करहीबाजार की पुलिस टीम द्वारा ग्राम करहीबाजार डीपरापारा में घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से ?3200 कीमत मूल्य का 32 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध चौकी करहीबाजार में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

225 पंचायत होंगे बाल विवाह मुक्त घोषित,दावा-आपत्ति 13 अक्टूबर तक

ब्लौदाबाजार, 8 अक्टूबर। कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार के नेतृत्व में महिला बाल विकास विभाग के द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिए सतत् रूप से कार्य किया जा रहा है। जिले के 225 ग्राम पंचायतों में विगत 2 वर्षो से कोई बाल विवाह नही हुए है जिन्हे बाल विवाह मुक्त घोषित करने के लिए दावा आपत्ति 13 अक्टूबर तक मंगाया गया है। बाल विवाह मुक्त होने वाले पंचायतों में बलौदाबाजार विकासखण्ड के 70, सिमगा के 40, भाटापारा के 36, पलारी के 27 एवं कसडोल विकासखण्ड के 52 ग्राम पंचायत शामिल है। इन पंचायतों की सूची प्रत्येक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालयों तथा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में चस्पा किया गया है। उक्त ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने के संबंध में किसी व्यक्तिया संस्थान को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या बाल विवाह का कोई प्रकरण संज्ञान में हो तो 13 अक्टूबर 2025 तक जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कक्ष क्रमॉक 83, कंपोजिट कलेक्टोरेट बिल्डिंग में कार्यालयीन समय प्रात: 10.00 से सायं 05.30 तक लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

रामलला दर्शन के लिए 30 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या रवाना

नगरी 8 अक्टूबर। जनपद पंचायत एवं नगर पंचायत नगरी से 30 श्रद्धालुओं का जत्था आज अयोध्या धाम में भव्य रामलला दर्शन के लिए रवाना हुआ। जत्थे को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस, नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, जनपद अध्यक्ष महेश गोटा, उपाध्यक्ष हृदय साहू, सभापति राजेश नाथ गोसाई, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन नाहटा, जिला मंत्री दिनेश्वरी नेताम, महेंद्र नेताम, वरिष्ठ भाजपाई कमल डागा, नागेन्द्र शुक्ला, हूमित लिंमजा, पार्षद चेलेश्वरी साहू, शंकर देव, देवचरण ध्रुव, मोनू साहू व दीपक साहू की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ दीं। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने कहा कि ऊआप सभी सौभाग्यशाली हैं जिन्हें अयोध्या धाम में रामलला के भव्य दर्शन का अवसर मिल रहा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर करोड़ों रामभक्तों का सपना साकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि ऊछत्तीसगढ़ के मुखिया आदरणीय विष्णुदेव साय जी ने रामलला दर्शन यात्रा की शुरुआत कर एक श्रवण कुमार पुत्र का कर्तव्य निभाया है। इस यात्रा से बुजुर्गजन और युवा साथी सभी को जीवन में आशीर्वाद व नई ऊर्जा मिलेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित बोरझा ने यात्रियों को शासन की गाइडलाइन का पालन करने और हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करने की अपील की। शुभकामनाओं और मंगलकामनाओं के बीच श्रद्धालुओं का जत्था बस द्वारा रायपुर तक और वहाँ से स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ।

धमतरी कलेक्टर के नेतृत्व में प्रशासन में नई चुस्ती जनसंपर्क और नवाचार को मिली गति

नगरी 8 अक्टूबर। जिले में पदस्थ कलेक्टर अविनाश मिश्रा की कार्यशैली लोगों को खासा प्रभावित कर रही है। ग्रामीणों से लेकर आम नागरिक तक कलेक्टर की सक्रियता और संवेदनशीलता की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मिश्रा ने पूर्व में पदस्थ रहे रजत बंसल की तरह ही जनसंपर्क की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सीधे गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना शुरू किया है।

कलेक्टर मिश्रा ने पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के प्रशासनिक ढांचे में अनुशासन और चुस्ती लाने पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को सुबह 10 बजे अनिवार्य रूप से ऑफिस पहुंचने का निर्देश जारी किया है। साथ ही प्रत्येक कार्यालय में रोजाना सुबह 10 बजे राष्ट्रगान करने का आदेश दिया गया। इस व्यवस्था से न केवल समय पालन की आदत मजबूत हुई है, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों में कार्य के प्रति जिम्मेदारी और अनुशासन भी बढ़ा है। कलेक्टर मिश्रा ग्रामीण अंचलों का लगातार दौरा कर रहे हैं। वे गांवों में सीधे पहुंचकर लोगों से संवाद करते हैं, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और मौके पर ही समाधान के निर्देश देते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय बाद ऐसा कलेक्टर मिला है जो उनके बीच बैठकर आत्मीय संवाद करता है। युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिले में स्टार्टअप और नवाचारों को बढ़ावा देने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। उनकी पहल से जिले के युवा रोजगार और उद्यमिता की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं, महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। मिश्रा का मानना है कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही परिवार और समाज की मजबूती का आधार है।

जिले की सभी पंचायतों में रोजगार दिवस मनाया गया

बलौदाबाजार, 8 अक्टूबर। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जिले के सभी विकासखंड के ग्राम पंचायतों में पंजीकृत श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराते हुए कार्यक्षेत्र पर रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।वर्तमान में कुल 1479 कार्य संचालित है जिसमें 3468 श्रमिक नियोजित है। मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत् सभी आवास हितग्राहियों के पक्के मकानो में रेनवाटर हार्वेस्टिंग निर्माण करने के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। सभी पंजीकृत श्रमिको की उपस्थिति में क्यूआर कोड की जानकारी दी गई जिसमें तीन वर्षो के महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत स्वीकृत कार्यो के साथ ही साथ आय-व्यय की जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। युक्तधारा पोर्टल एवं कल्र्ट मैप के माध्यम से कार्यो का चिन्हांकन कर प्राथमिकता क्रम से कार्य स्वीकृत करने की कार्ययोजना तैयार के विषय में एवं जल संरक्षण के कार्यो को प्राथमिकता से कराये जाने के निर्देश दिए।

महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत कार्य की मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। इसके लिए पूर्व में एनएमएमएस के माध्यम से श्रमिको की दोनों समय की उपस्थिति दर्ज किया जाना अनिवार्य है जिसमें ग्राम एवं ग्राम पंचायत के सभी सक्रिय मजदूरो का एनएमएमएस एप्प के माध्यम से सर्व प्रथम ई-केवाईसी कराना आवश्यक है।

ग्रामीण अपने रकबे और फसल का सूचना पटल पर कर रहे हैं अवलोकन

बालोद,8 अक्टूबर। बालोद जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के माध्यम से डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खेरथा, देवरी एवं गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खप्परवाड़ा, मुण्डरा, तवेरा तथा गुरूर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत हितेकसा, डाण्डेसरा, बोरिदकला, पेरपार, चंदनबिरही, मुड़गहन, बासिन, मोहारा, कपरमेटा, देवकोट, परसुली सहित जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के माध्यम से पटवारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों के द्वारा गिरदावरी सूची का पठन किया गया। इस दौरान एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत हुए गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन कर ग्रामीणों को उनके रकबे और बोए गए फसल की जानकारी दी गई।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने लोगों में उत्साह,अब तक़ 331 लोगों ने लगवाए सोलर पैनल

बलौदाबाजार ,8 अक्टूबर। बिजली बिल के बोझ से मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने हेतु पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने लोग उत्साहित हैं। अब तक 1700 लोगों ने आवेदन किया है जिसमें से 331 लोगों ने अपने छत पर सोलर पैनल लगवाकर योजना का लाभ लिया है। योजना के तहत उपभोक्ताओं को आकर्षक सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा एक किलोवाट सोलर सिस्टम पर 30 हजार, दो किलोवाट पर 60 हजार तथा तीन किलोवाट से दस किलोवाट तक के संयंत्र पर अधिकतम 78 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ शासन ने भी उपभोक्ताओं को अतिरिक्त 30 हजार रुपए की सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गत 8 सितम्बर को रायपुर स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम से इसका शुभारंभ कर लाभार्थियों को सब्सिडी राशि का अंतरण किया। इस प्रकार तीन किलोवाट तक के संयंत्र पर केंद्र की 78 हजार और राज्य की 30 हजार रुपए की दोहरी सब्सिडी उपलब्ध है। योजना को और सुगम बनाने के लिए 20 से अधिक बैंक और वित्तीय संस्थान छह से सात प्रतिशत की ब्याज दर पर सोलर लोन भी उपलब्ध करा रहे हैं, जिसके अंतर्गत परियोजना लागत का 90 प्रतिशत तक वित्तपोषण संभव है। उपभोक्ता अब न केवल अपने घरों के लिए मुफ्त बिजली का लाभ उठा सकेंगे बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर आय भी अर्जित करेंगे और वास्तविक अर्थों में ऊर्जा दाता बनेंगे।

समय सीमा की बैठक में की गई विभागीय कार्यों की समीक्षा

त्यौहारी सीजन में कानून व्यवस्था दुरुस्त रखें :कलेक्टर

बलौदाबाजार 7 अक्टूबर। कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार क़ो समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने आगामी दीपाली सहित अन्य त्योहारों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में क़ानून व्यस्था दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने कहा कि तहसीलदार,सचिव व कोटवार अलर्ट मोड़ पर रहे,प्रति दिन ऑल ओके रिपोर्ट लें। सभी एसडीएम शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बड़े आयोजन जिसमें अधिक लोगों के एकत्रित होने की संभावना हो उसके लिए अनुमति लेना अनिवार्य करें। मीना बाजार या अन्य मेला आयोजन पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन में छूटे हुए किसनों का पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये। इसीतरह डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं भौतिक सत्यापन कार्य जल्द पूर्ण करने राजस्व विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में लक्ष्य के विरुद्ध पैनल स्थापना की समीक्षा करते हुए सीएसडीसीएल के अधिकारियो को आवेदक एवं वेंडर की बैठक कराने तथा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवेदन स्वीकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने योजना के लाभ के बारे में जानकारी देने सम्मलेन आयोजित करने भी कहा।

कलेक्टर ने लोक कल्याण योजना के तहत प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अभिलेख तैयार करने एवं नगरीय निकायों में ठेले गुमटियों के लिए वेंडिंग जोन निर्धारित करने कहा। उन्होंने सड़क पर दुकान लगाकर अतिक्रमण करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी, सीपीग्राम्स, मुख्यमंत्री जनदर्शन, शिकायत शाखा, आदि कर्मयोगी अभियान, रजत महोत्सव,समय -सीमा के आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते एवं अवध राम टंडन सहित सभी एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सत्ता में 24 वर्ष बेदाग रहना....

आम तौर पर कहा जाता है सत्ता भ्रष्ट करती है। ईमानदार आदमी भी सत्ता में आता है तो पांच साल में भ्रष्ट हो जाता है। उसे लगता है कि यही तो मौका है अपने लिए, परिवार के लिए और पार्टी के लिए पैसा बनाने का,बहती गंगा में हाथ धोने का। सत्ता रहती है तो कहना नहीं पड़ता लोग घर आकर खुशी खुशी पैसा दे जाते बदले में चाहते हैं कि उनका जायज नाजायज काम हो जाए। सट्टा वाले, शराब वाले,ठेकेदार, सामान बेचने वाले सबकी पैसा देने के लिए लाइन लगी रहती है। जब तक आदमी सत्ता में रहता सबके काम का रहता है। सब अपना काम करवाने खुशामद भी करते हैं और पैसा भी देते हैं। इसीलिए सत्ता को काजल की कोठरी भी कहा जाता है। जो काजल की कोठरी में जाता है, उसके दामन पर दाग तो लगना है ऐसे में किसी का सत्ता में 24 साल बेदाग रहना, जस का तस ईमानदार बने रहने किसी चमत्कार से कम नहीं लगता है। पीएम मोदी सत्ता में 24 साल रहने के बाद अब उनका 25 वां साल शुरू हो गया है। वह आज भी जनता की नजर में उतने ही ईमानदार है, जितने सत्ता में आने के पहले दिन थे। इसलिए वह आज के नेताओं में सबसे अलग और सबसे ज्यादा लोकप्रिय है और निरंतर लोकप्रिय बने हुए हैं। उनकी पार्टी के और विपक्ष के तमाम नेताओं के बीच आज भी उनकी कमीज सबसे ज्यादा सफेद जनता को लगती है। जनता उनको 24 साल बाद उसी तरह पसंद करती है, जैसे पहले साल पसंद करती थी। जनता पसंद करती है,जनता उन पर भरोसा करती है,इसलिए वह गुजरात में सीएम रहते न खुद कभी चुनाव हारे और न उनके नेतृत्व में चुनाव भी भाजपा हारी है। इसी तरह दिल्ली की राजनीति में आने के बाद वह न खुद कोई चुनाव हारे है और न ही उनके नेतृत्व में भाजपा लोकसभा का चुनाव हारी है। वह अपराजेय हैं और उनके रहते उनकी पार्टी भी लोकसभा चुनाव में अपराजेय है। राज्यों के चुनाव जरूर उनके नेतृत्व में भाजपा हारी है फिर भी देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकार होने से साफ हो जाता है कि राज्यों में उनकी चुनाव जिताने की क्षमता कम नहीं है।जनसंघ के समय से आरएसएस का सपना था कि उसे इस देश में सत्ता से कांग्रेस को हटाकर जनसंघ को सत्ता में लाना है। यानी जनसंघ को कांग्रेस का विकल्प माना गया लेकिन जनसंघ कांग्रेस का विकल्प नहीं बन सका। वह कांग्रेस की जगह नहीं ले सका। जनसंघ के बाद भाजपा का गठन किया गया तो बरसों भाजपा को भी कांग्रेस का विकल्प बनाने का खूब प्रयास किया गया। बड़े बड़े नेता भाजपा में हुए लेकिन कोई भाजपा को कांग्रेस का विकल्प नहीं बना सका। 2014 में पहली बार पीएम मोदी के नेतृत्व में बहुमत वाली सरकार बनी तो माना गया कि अब भाजपा कांग्रेस का मजबूत विकल्प बन सकती है। जनता ने उनके पांच साल के कार्यकाल में उनको देश व जनता के लिए समर्पित रूप से काम करने वाला नेता माना। उसने देखा पीएम मोदी तो वह सब काम कर रहे हैं जो दूसरे नेता करने की सोचते नहीं थे, इससे भी जनता खूब प्रभावित हुई और दूसरी बार पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को फिर पहले से ज्यादा बहुमत देकर जिताया। पीएम मोदी ने गुजरात को जिस तरह विकसित राज्य बनाकर दिखाया, पीएम बनने के बाद उन्होंने देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य तय किया है और उसके लिए देश के भीतर हो या देश के बाहर निरंतर काम कर रहे हैं। उन्होंने गुजरात का विकास करके दिखाया है, इसलिए जनता भरोसा करती है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत बनने के रास्ते पर हैं। अपने काम के कारण वह देश के भीतर ही नहीं देश के बाहर भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय नेता बने हुए हैं दूसरे देशों में जहां पांच साल में दो तीन पीएम बदल गए हैं वहीं मोदी तीसरी बार चुनाव जीतकर निरंतर भारत के पीएम बने हुए है और भारत को विश्व के शक्तिशाली देशों की पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया है। आज दुनिया में भारत की बात सुनी जाती है,मानी जाती है। कोई भी देश भारत की पहले की तरह उपेक्षा नहीं कर सकता, कोई उससे अपनी बात दबाब डालकर मनवा नहीं सकता चाहे वह सुपर पावर देश अमरीका ही क्यों न हो। आज भारत पीएम मोदी के नेतृत्व हर क्षेत्र में इतना शक्तिशाली हो गया है कि उसे पाकिस्तान जैसा देश डरा नहीं सकता कि मेरे पास परमाणु बम है। परमाणु होने के बाद भी भारत ने पाकिस्तान के भीतर बने आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर बता दिया है अब भारत को कोई दबा नहीं सकता, डरा नहीं सकता।

संपादकीय

दवा के नाम पर मौत का सिरप

मनोज कुमार अग्रवाल

मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत का मामला अब पूरे देश में चिंता का विषय बन गया है। दोनों राज्यों में 'कोलड्रिफ' नाम के कफ सिरप से 18 बच्चों की मौत का आरोप है। इनमें से 16 मौतें मध्यप्रदेश और दो राजस्थान में हुई है। यह स्थिति बेहद चिंता जनक है और देश में दवाओं के कारोबार में भ्रष्ट सरकारी मशीनरी के संरक्षण में पनपे दवा सिंडिकेट का खुलासा करती है जो अपने मुनाफे और रिश्वतखोरी के लिए आमजन के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते हैं। जांच के नाम पर लीपापोती की कवायद शुरू हो चुकी है।

खांसी की दवा के नाम पर कफ सीरप पीने के बाद 18 बच्चों की मौत के बाद 'कोल्डरिफ' नामक सीरप पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और इस सीरप का प्रिस्क्रिप्शन लिखने वाले डाक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं डाक्टर और कम्पनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ये कफ सीरप तमिलनाडु की श्री सन फार्मास्यूटिकल्स फार्मा कंपनी से बनकर आए थे। मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के बाद तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश, झारखंड और अन्य राज्यों ने भी इस कफ सीरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 2022 में कफ सिरप पीने के बाद तीन देशों में 300 बच्चों की मौत के मामले सामने आए थे।

इसके पहले मध्यप्रदेश ने नेक्स्टो जीएस और कोल्डिफ सीरप पर रोक लगाई थी। स्थितियों की गम्भीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार की ओर से दो वर्ष से कम के बच्चों को सीरप देने पर रोक लगाई गई थी। सीरप पीने के बाद हुई बच्चों की मृत्यु के बाद उनकी बायोप्सी रिपोर्ट में सीरप में डायएथिलीन ग्लायकॉल मिलने की पुष्टि हुई। जिससे बच्चों की किडनी फेल हो गई और उनकी मृत्यु हो गई। छिंदवाड़ा में तो 24 अगस्त को यह मामला आया जिसमें 20 दिनों में नौ बच्चों की सीरप पीने से मृत्यु हुई थी। इसके बाद भरतपुर में भी यह प्रकाश में आया कि यही सीरप पीने से वहां भी बच्चों की मृत्यु हुई। छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन नांदुलकर की मानें तो उनका कहना है कि ज्यादातर कार के इंजन में डाले जाने वाले कूलेंट, पेंट्स या ग्रीस बनाने में इस का इस्तेमाल किया जाता है। यह कितना दुखद है कि जीवन रक्षा या उपचार के लिये दी जाने वाली दवा ही मौत का कारण बन गयी। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निर्माता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को बयान करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की

सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही मानकों पर खरी उतरी थी। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समयसीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये कोई भी मुआवजा उनके प्राण नहीं लौटा सकता है। इस घटना के जिम्मेदार सरकारी और दवा निर्माता सभी की लापरवाही अक्षम्य है इस आपराधिक लापरवाही करने वालों को कठोरतम दंड से दंडित किया जाना चाहिए। स्थिति यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है पिछले साल भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों में निर्मित सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के के लिए आपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीड़ितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए। अन्यथा, ऐसी हर त्रासदी जन-विश्वास को कमजोर करती है, जो किसी भी दवा में सबसे महत्वपूर्ण घटक है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, ये जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही हैं, जहां से कुल 19 दवाओं जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कफ सिरप के सैंपलों की जांच में केमिकल की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई. इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस खांसी की दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया और बाजार से स्टॉक हटाने का आदेश जारी किया. इसके साथ ही केंपनी के कांचीपुरम स्थित संयंत्र पर निरीक्षण कर उत्पादन भी रोका गया. मध्य प्रदेश सरकार ने भी शनिवार को बिक्री पर राज्यव्यापी प्रतिबंध लगा दिया। कफ सीरप पीने से बच्चों की मौत के मामले सामने आने के बाद हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ जिले में स्थित फार्मा कंपनियों पर कफ सिरप के प्रोडक्शन पर रोक लगा दी गई है। मध्य प्रदेश की घटना के बाद हिमाचल प्रदेश में छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई. इस दौरान 5 यूनिट्स का परमिशन खत्म कर दिया गया है। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण 'कोल्ड्रिफ' सिरप बनी है। अफ्रीकी देश गाम्बिया में जिस भारतीय कंपनी का कफ सिरप पीने से 66 बच्चों की मौत हुई है, वह काफी लंबे समय से विवादों में चली आ रही है। हरियाणा के सोनीपत में स्थित मेडेन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड नाम की इस कंपनी को कई राज्यों में संदिग्ध मानकर कार्रवाई की जा चुकी है। मेडेन फार्मास्युटिकल्स उन भारतीय 39 दवा निर्माता कंपनियों में शामिल है, जिन्हें वियतनाम ने दवा नियंत्रक मानकों के उल्लंघन में ब्लैकलिस्ट कर दिया था। गुजरात, केरल, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी यह दवा निर्माता कंपनी विवादित रह चुकी है। केरल, गुजरात और बिहार की राज्य सरकारें तो मेडेन फार्मास्युटिकल्स पर कार्रवाई कर चुकी हैं। सरकारी मशीनरी में रिश्वत खा कर गैर मानक दवाओं के इस्तेमाल की छूट देने वाले अफसर ऐसी वारदातों के लिए सफेदपोश हत्यारे है इन पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए सरकार मुआवजा देकर या जांच का नाटक कर अपनी जबाबदेही से नही बच सकती है कोई भी मुआवजा बच्चों का जीवन नहीं लौटा सकता है।

पवन-ज्योति विवाद से भाजपा की बिहार चुनावी रणनीति पर बड़ा संकट

संजय सक्सेना,लखनऊ

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार और हाल ही में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए अभिनेता पवन सिंह एक बार फिर अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार मामला सिर्फ पर्सनल नहीं रहा, इसका सीधा असर उनकी राजनीतिक छवि और भाजपा की आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति पर पड़ सकता है। पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के साथ लंबे समय से तलाक का मामला अदालत में चल रहा है, लेकिन हाल ही में लखनऊ में हुए एक घटनाक्रम ने इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है। अब यह विवाद सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चा का विषय बन चुका है। जिस प्रकार से यह मुद्दा महिलाओं की अस्मिता, सम्मान और संवेदना से जुड़ता दिख रहा है, उससे बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। भाजपा के लिए यह स्थिति असहज बनती जा रही है, खासकर तब जब पार्टी पवन सिंह को दक्षिण बिहार में अपना लोकप्रिय चेहरा बनाकर 2025 के चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी में है। लखनऊ में हुए ताजा घटनाक्रम की बात करें तो ज्योति सिंह सोशल मीडिया पर पहले ही यह घोषणा कर चुकी थीं कि वह अपने पति से मिलने लखनऊ जा रही हैं। उन्होंने लिखा था कि उन्हें उम्मीद है पवन सिंह उनसे जरूर मिलेंगे। लेकिन जब वह उनके घर पहुंचीं, तो वहां पुलिस पहले से मौजूद थी। न तो उन्हें घर में घुसने दिया गया और न ही पवन सिंह सामने आए। इस पूरी घटना का वीडियो खुद ज्योति सिंह ने रिकॉर्ड किया और उसे लाइव किया। वीडियो में ज्योति सिंह फूट-फूट कर रोती नजर आती हैं। वह कहती हैं कि अगर उन्हें पुलिस स्टेशन जाना पड़ा तो वह इसी घर में जान दे देंगी। यह बयान और उनका दुखड़ा सुनकर सोशल मीडिया पर लोग भावुक हो गए। वीडियो वायरल हुआ और ज्योति सिंह के समर्थन में हजारों कमेंट आने लगे। यह विवाद यहीं तक सीमित नहीं रहा। भोजपुरी सिनेमा के एक और बड़े नाम, खेसारी लाल यादव ने भी इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर भाभी ने कोई बड़ी गलती नहीं की है तो पवन सिंह को उन्हें माफ कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह भले ही उनकी बहन नहीं हैं, लेकिन एक बेटी हैं, और अगर उनकी अपनी बेटी के साथ ऐसा होता तो वह चुप नहीं बैठते। खेसारी लाल का यह बयान सिर्फ व्यक्तिगत संवेदना नहीं, बल्कि इसमें सामाजिक और राजनीतिक संकेत भी छिपे हैं। पवन सिंह और खेसारी लाल के बीच पहले से प्रतिस्पर्धा रही है, लेकिन अब यह प्रतिस्पर्धा केवल फिल्मी पर्दे तक सीमित नहीं रही, बल्कि सियासी रंग लेती नजर आ रही है। गौरतलब है कि ज्योति सिंह और पवन सिंह के बीच तलाक का मामला बिहार के आरा की फैमिली कोर्ट में चल रहा है। पवन सिंह की ओर से बयान दर्ज हो चुका है, वहीं ज्योति सिंह की गवाही अभी होनी बाकी है। अगली सुनवाई की तारीख 8 अक्टूबर तय की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्योति सिंह ने इस तलाक के बदले 5 करोड़ रुपये और एक घर की मांग की है। जबकि पवन सिंह बच्चों की पढ़ाई और खर्च उठाने को तैयार हैं, लेकिन दोनों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। इस बीच ज्योति सिंह ने यह भी कहा है कि अगर उन्हें इंसाफ नहीं मिला, तो वह राजनीति में उतरकर अपनी लड़ाई लड़ेंगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह आगामी चुनावों में निर्दलीय या किसी पार्टी के टिकट पर मैदान में उतर सकती हैं। यह बयान और परिस्थितियां भाजपा के लिए नई चिंता बन गई हैं। बिहार की राजनीति में महिला वोटर की भूमिका बेहद अहम होती जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय से महिलाओं के लिए योजनाएं चला रहे हैं और महिला सशक्तिकरण को अपना प्रमुख एजेंडा बना चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2019 के लोकसभा चुनाव में महिला वोटर्स को भाजपा की साइलेंट स्ट्रेंथ बता चुके हैं। ऐसे में अगर यह विवाद और गहराया, और महिलाओं में ज्योति सिंह के प्रति सहानुभूति की लहर चल पड़ी, तो भाजपा को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पवन सिंह को बंगाल की आसनसोल सीट से उम्मीदवार बनाया था। लेकिन जैसे ही पुराने गानों को लेकर विरोध शुरू हुआ, खासकर बंगाली महिलाओं के अपमान को लेकर, पवन सिंह को टिकट वापस लेना पड़ा। अब भाजपा उन्हें बिहार में नए चेहरे के रूप में पेश करने की तैयारी में थी, खासकर भोजपुर, रोहतास, और आसपास की सीटों पर। पवन सिंह की लोकप्रियता को देखते हुए पार्टी को उम्मीद थी कि वह युवाओं, खासकर पुरुष वोटरों को अपनी तरफ खींच सकेंगे। लेकिन अब यह विवाद उनकी छवि को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा रहा है। यह भी सच है कि राजनीति में छवि बहुत मायने रखती है। यदि कोई नेता या प्रत्याशी महिलाओं के प्रति अपमानजनक आचरण के आरोपों में घिर जाए, तो उसका सीधा असर पार्टी के पूरे चुनावी गणित पर पड़ता है। बिहार की राजनीति में इस समय सवर्ण मतदाताओं, खासकर ठाकुर समाज को साधने की कोशिश हो रही है। पवन सिंह ठाकुर समुदाय से आते हैं और भाजपा उन्हें इसी वर्ग का प्रभावी चेहरा बनाकर पेश करना चाहती थी। लेकिन अब यह पूरा समीकरण बिगड़ता नजर आ रहा है। अगर महिला वोटर्स नाराज हुईं तो न केवल पवन सिंह की सीट खतरे में पड़ेगी, बल्कि आसपास की सीटों पर भी असर देखा जा सकता है। पवन सिंह का विवाद पहले भी कई बार चर्चा में रहा है। लखनऊ के एक स्टेज शो के दौरान हरियाणवी डांसर अंजलि राघव के साथ अनुचित व्यवहार के कारण भी उन्हें आलोचना झेलनी पड़ी थी। बाद में उन्होंने माफी जरूर मांगी थी, लेकिन तब भी सवाल खड़े हुए थे कि क्या पवन सिंह महिलाओं के प्रति संवेदनशील हैं? अब पत्नी के साथ जिस तरह का व्यवहार सामने आया है, उससे यही धारणा मजबूत होती जा रही है कि उनके आचरण में गंभीर कमी है। इस पूरे मामले में भाजपा की स्थिति बेहद नाजुक बन गई है। पार्टी के पास अब दो ही रास्ते हैं या तो वह पवन सिंह को सार्वजनिक रूप से विवाद सुलझाने को कहे और डैमेज कंट्रोल करे, या फिर उन्हें बैकफुट पर डालकर कोई दूसरा चेहरा सामने लाए।

सू- दोकू क्र.193

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.192 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

राशिफल

मेष -आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपको बेवजह के कामों में पड़ने से बचना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपके मन में यदि किसी काम को लेकर टेंशन चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आज आप अपने पिछले कामों को भी निपटाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्यागकर कामों में आगे बढ़ना होगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आप घबरा सकते हैं, जिसमें आपके सहयोगी आपका पूरा साथ देंगे। आपको किसी से कोई बात सोच समझकर बोलनी होगी। आपकी किसी बात को लेकर आज परिवार में वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। आप अपने घर की रंगाई-पुताई का कार्यक्रम शुरू कर सकते हैं। आपका कोई मित्र धन संबंधित कोई मदद आपसे मांग सकता है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी से आपकी कहासुनी चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्च बढ़ेगा, लेकिन आपको ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। आप लोगों से अपने काम से काम मतलब रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

कर्क आज आपका दान-धर्म के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए भी आप आगे आएंगे। आप संतान को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने कामों को लेकर धैर्य व संयम बनाए रखें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

सिंह आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपकी कार्यक्षेत्र में किसी से कहासुनी होने की संभावना है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना होगा और पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन अपने घर कर सकते हैं। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से भी थोड़ा सावधानी बरते क्योंकि वह आपको कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। धन को लेकर आपकी कोई समस्या खड़ी हो सकती है।

कन्या आज का दिन आपके लिए एक के बाद एक खुशखबरी लेकर आएगा। आप अपने बिजनेस के कामों में कोई बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आपके बॉस से रिश्तों में भी कड़वाहट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर की साज सज्जा की भी कुछ सामान की खरीदारी कर सकते हैं। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा, क्योंकि किसी कठोर निर्णय को लेने से कुछ लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

तुला आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता पर रखने के लिए रहेगा। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा, इसलिए किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें और आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी सावधान रहना होगा। यदि कहीं घूमने फिरने जाएं, तो उसमें अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें। आप यदि धन संबंधित किसी समस्या को लेकर परेशान थे, तो उसमें आपके भाई आपकी मदद कर सकते हैं।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए तरक्की के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपनी परिवार में बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करना होगा, इसलिए आप उनसे कोई ऐसी बात ना बोले, जो उन्हें बुरी लगे। परिवार में बंटवारे को लेकर कोई कहासुनी हो सकती है। आप अपनी किसी समस्या को लेकर परेशान रहेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप कहीं बाहर भेज सकते हैं।

धनु आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कोई निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा समझदारी दिखाएं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। शेयर मार्केट में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके कामों से आपको एक नई पहचान मिलेगी। आप अपने धन का इन्वेस्टमेंट किसी के कहने में आकर ना करें। पार्टनरशिप में यदि आपने किसी काम की शुरुआत की थी, तो उससे भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कुंभ आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको किसी राजनीति से संबंधित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपकी छवि निखरेगी। आपको कोई सम्मान की भी प्राप्ति हो सकती है। आप अपनी माताजी से किए हुए वादे को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। संतान आपकी नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर बातचीत कर सकती है। आपको अपने बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव महसूस होंगे।

मीन आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने पारिवारिक मामलों को भी मिल बैठकर दूर करेंगे। आप किसी के लिए अपने मन में ईर्ष्या की भावना ना रखें। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी शौक-मौज की चीजों में वृद्धि होगी। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आप अपनी संतान की सेहत के प्रति सचेत रहें।

एक नजर

बैठक में मांग,प्रत्येक पंचायत में किसान मित्र की नियुक्ति कर लाभ दिलाया जाए

गीदम 8 अक्टूबर। भारतीय किसान संघ के द्वारा सर्व आदिवासी समाज भवन गीदम में बैठक आयोजित किया गया। जिसमें सभी विभाग के हलह पर चर्चा, जैविक उत्पादन मूल्य पर चर्चा, रासायनिक उत्पादन मूल्य पर चर्चा किया गया। इस बैठक में गीदम ब्लाक के सभी किसान, भूमगादी के सदस्य व जन प्रतिनिधि के साथ साथ सरपंच गण उपस्थित रहें। बैठक में चर्चा हुई कि हलह द्वारा किसानों को जानकारी दी जा रही है उसे बंद कर कृषि विस्तार अधिकारी (ग्राम सेवकों) के द्वारा किसानों को जानकारी दी जानी चाहिए। क्योंकि जितने भी हलह संचालित है वे बड़े व सम्पन्न किसानो के पास जा कर फोटो शूट करवा लेते है। छोटे किसानों को किस चीज की जरूरत है उस पर कोई ध्यान नहीं देता है। कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा किसान मित्र प्रत्येक पंचायत में नियुक्त कर किसानों लाभ दिलाया जाए। क्योंकि गांव के बेरोजगार युवा युवती किसान मित्र में काम करेंगे तो ग्राम पंचायत के सरपंच, जिम्मेदार किसान एवं कृषि विस्तार अधिकारी तक जानकारी जायेंगी की उस किसान की क्या जरुरत है। हलह का फायदा गिने चुने किसानों तक ही पहुंच पाता है बाकी छोटे किसान को कोई लाभ नहीं मिल पाता है। इसके साथ ही किसान संघ द्वारा धान के लिए जैविक फसल धान मंण्डी की मांग की है। साथ ही अन्य दलहनी व तिलहनी फसल का जैविक फसल के अनुरूप उचित दाम तय कर जैविक खेती का उचित मूल्य दिया जाए। सभी कृषक को जैविक खाद, बर्मी कम्पोस्ट व हरी खाद उपलब्ध कराई जाए। जिससे फसल का उत्पादन बढ़ सके।

फोटो और वीडियो वायरल कर ब्लैकमेल करने वाला पकड़ाया

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित से पैसे की मांग कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछ-ताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है। बोधघाट थाना क्षेत्र के इस मामले में पुलिस ने आरोपी बिरंची पिता गोवर्धन पानिग्राही (38) निवासी राजाखरियार जिला नयापाड़ा, ओडिशा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित ने 5 अक्टूबर को बोधघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, कि 30 सितंबर को उसका मोबाइल फोन रेलवे स्टेशन जगदलपुर में गुम हो गया था।

आज शाम डोली व छत्र का होगा भव्य स्वागत,शाम 4 बजे डोली को पारंपरिक तरीके से ले जाया जाएगा मंदिर के गर्भ-गृह तक

माईजी की डोली व छत्र देर रात पहुंचे आंवराभाटा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 8 अक्टूबर। बस्तर की विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के मावली परघाव रस्म में शामिल होने के बाद मंगलवार को जगदलपुर से मांईजी की डोली व छत्र को परंपरानुसार विदाई दी गई। डोली जगदलपुर, तेतरकुटी, गीदमनाका, पंडरीपानी, मारेंगा, केशलूर, तोकापाल, डिलमिली, बंजारन घाट व गीदम से होती हुई मंगलवार-बुधवार की रात्रि में दंतेवाड़ा के आंवराभाटा पहुंची। आंवराभाटा पहुंचने पर डोली व छत्र को मंदिर के पुजारी, मांझी, मुखिया, सेवादार व टेम्पल कमेटी के सदस्यों द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। डोली को आंवराभाटा से दंतेवाड़ा माईजी की मंदिर तक आज शाम को प्रधान पुजारी, सेवादार व नगरवासियों द्वारा झुमते गाते पहूंचाया जाएगा। डोली के स्वागत में क्षेत्रीय विधायक नगर पालिका अध्यक्ष, टेम्पल कमेटी के सदस्य समेत हजारों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहेंगे।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्र के अष्टमी तिथि को राजपरिवार के आमंत्रण के बाद माईजी की पालकी को विधिवत बस्तर की विश्व प्रसिद्ध दशहरा पर्व में शामिल होने के लिए दंतेवाड़ा से बिदाई दी जाती है। 8 दिनों पश्चात दशहरा मनाकर माईजी की डोली वापस दंतेवाड़ा आती है । इसी कड़ी में बस्तर बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने के बाद माई जी की पालकी मंगलवार दोपहर 2 बजे जगदलपुर से विदा होकर दंतेवाड़ा के लिए रवाना हुई थी। डोली मंगलवार-बुधवार की आधी रात करीब 2 बजे दंतेवाड़ा (आंवराभाटा)पहुंची। आंवराभाटा स्थित देवी स्थल में परंपरानुसार डोली को रखा गया है। मांईजी की डोली विदाई के स्वागत में बीती रात मांईजी डोली स्थल परिसर आंवराभाटा में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें रायगढ़ के प्रसिद्ध लोक गायक मोनू ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा भव्य मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। जिसे देखने सुनने बड़ी संख्या में नगरवासी जूटे थे। देर रात माईजी की डोली पहुंचते ही डोली की पूजा अर्चना करने रात से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आंवराभाटा देवी स्थल पहुंचती रही। आज सुबह से भी माता की डोली एवं छत्र के दर्शन पूजन के लिए भक्त पहुंच रहे हैं। हर कोई माईजी की डोली को स्पर्श व पूजा अर्चना कर अपने को धन्य कर रहा है। आज सायं 3 बजे डोली को मंदिर में परम्परागत ढंग से लाने के लिए हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होंगे । डोली एवं छत्र के स्वागत की तैयारी में भक्तगण सुबह से लगे हैं। आंवराभाटा देवी स्थल पर रखी डोली को सेवकों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात बाहर निकाला जाएगा। तत्पश्चात सशस्त्र बलों द्वारा सलामी दी जाएगी। पूरे जोश उत्साह के साथ माईजी की डोली एवं छत्र को नाचते-गाते आतिशबाजी के साथ सैकडों भक्तगणों द्वारा विधिवत स्वागत किया जाएगा। जय स्तंभ चौक पर विराजमान भोदराज बाबा से अनुमति लेकर डोली एवं छत्र को मंदिर के प्रवेश करवाया जाएगा। मंदिर में प्रवेश से पूर्व मंदिर के गरूढ स्तंभ द्वार पर 5 जवानों द्वारा सशस्त्र सलामी के बाद डोली व छत्र को मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कराया जाएगा। इसके साथ ही 10 दिनों तक चलने वाला शारदीय नवरात्र, बस्तर दशहरा व दंतेश्वरी महोत्सव का समापन हो जाएगा।

स्वदेशी मेला के स्टालों में 20 राज्यों की कला, संस्कृति और स्वाद एक ही छत के नीचे

जगदलपुर,8 अक्टूबर। लालबाग मैदान में चल रहे स्वदेशी मेले की असली पहचान बन चुके हैं यहाँ लगे करीब 300 स्टॉल, जहाँ देश के 20 राज्यों से आए कारीगर, शिल्पकार और उद्यमी अपनी परंपरा, कला और नवाचार का प्रदर्शन कर रहे हैं। मेले का हर स्टॉल जैसे अपने भीतर एक राज्य की संस्कृति, स्वाद और हुनर की कहानी कह रहा हो।बस्तर में छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलगांन, उत्तराखंड,, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के कारीगरों ने अपने हाथों से बने बांस, बेलमेटल (ढोकरा कला), लकड़ी और मिट्टी के शिल्प प्रदर्शित किए हैं। इनकी सुंदरता और बारीकी देखने के लिए लोग घंटों रुकते नजर आ रहे हैं। गृह सज्जा की वस्तुएँ, पारंपरिक आभूषण, दीवार हैंगिंग और ग्रामीण जीवन से जुड़ी चीज़ें खरीदारों को खूब आकर्षित कर रही हैं।

पूर्वोत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक का संगम

मेले में पूर्वोत्तर राज्यों की हैंडलूम साड़ियाँ, शॉल, बाँस उत्पाद और हस्तनिर्मित टोकरी, तो दक्षिण भारत से आए इको-फ्रेंडली सामान, नारियल उत्पाद और काष्ठ शिल्प विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। दिल्ली, गुजरात और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों ने अपने हैंडमेड कपड़े, जूट बैग और खादी वस्त्रों से स्वदेशी की भावना को और प्रखर बना दिया है।

घरेलू उद्योग और स्थानीय उत्पादों को नई पहचान

मेले के कई स्टॉल स्थानीय महिलाओं और युवाओं द्वारा संचालित हैं, जहाँ घरेलू उद्योग से बने मसाले, अचार, जैविक उत्पाद, हर्बल कॉस्मेटिक्स और बस्तर की वन संपदा से तैयार सामग्री बिक्री पर है। इन स्टॉलों पर लोगों की खासी भीड़ उमड़ रही है।

मेले के आयोजकों का कहना है कि इस पहल से स्थानीय लघु उद्योगों और स्व-सहायता समूहों को न केवल प्रोत्साहन मिला है बल्कि उनके उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिल रही है।

व्यंजन स्टॉलों पर उमड़ रही भीड़

खास आकर्षण बने हुए हैं व्यंजन स्टॉल, जहाँ छत्तीसगढ़ी, पंजाबी, दक्षिण भारतीय और उत्तर-पूर्वी पकवानों की खुशबू से पूरा मेला परिसर महक उठा है। फरा, चीला, ढोकला, इडली-दोसा, लिट्टी-चोखा और हैंडमेड मिठाइयाँ लोगों को बार-बार रुकने पर मजबूर कर रही हैं।

स्वदेशी को मिला जनोत्सव का रूप

300 स्टॉलों से सजा यह मेला अब केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि स्वदेशी उत्पादों का जनोत्सव बन चुका है। यहाँ की रौनक यह संदेश दे रही है कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और छोटे उद्योगों से होकर ही गुजरता है।

शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने गीदम शिशु मंदिर के परिसर में विजयदशमी उत्सव मनाया

गीदम, 8 अक्टूबर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जिले के गीदम नगर क्षेत्र में विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन शिशु मंदिर विद्यालय प्रांगण में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के वरिष्ठ सदस्य ईश्वर लाल सोनी , मुख्य वक्ता चंद्रशेखर देवांगन प्रांत कार्यवाहक छत्तीसगढ़, अमर चंदवानी और संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे । इस अवसर पर गीदम नगर के पांच बस्ती क्षेत्र से लगभग 500 से अधिक स्वयंसेवकों ने संघ के अनुशासन ,एकता और समर्पण की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पथ संचलन से हुई जिसमें स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश धारण कर गीदम नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए सरस्वती शिशु मंदिर गीदम नाकापारा में एकत्र होकर कार्यक्रम को अंतिम रूप दी। पथ संचलन के दौरान भारत माता की जय और राष्ट्र एकता के जय घोष से वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। पथ संचलन के दौरान मार्ग के अनेक केंद्र पर मातृशक्ति के द्वारा पुष्प वर्षा कर संचालन के स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। उस दौरान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता चंद्रशेखर देवांगन प्रांत कार्यवाहक छत्तीसगढ़ ने कहा कि संघ ने 100 वर्षों में राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण का जो कार्य किया है वह अद्वितीय है. उन्होंने कहा डॉक्टर हेडगेवार जी ने जिस राष्ट्र निष्ठा और सेवा भाव की नींव रखी थी वही आज संगठन की पहचान बन चुकी है। संघ समाज में एकता, आत्म बल और राष्ट्रभाव जागृत करने का निरंतर कार्य कर रहा है। वही जिला कार्यवाह धनेश्वर दास ने बताया कि संगठनात्मक दृष्टि से दंतेवाड़ा जिले को 22 मंडलों में विभाजित किया गया है । जिनमें से 15 मंडलों में अब तक शताब्दी उत्सव के निमित्त श्री विजयादशमी कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं। गीदम नगर में यह आयोजन इस श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । उन्होंने कहा कि यह उत्सव केवल परंपरा का नहीं बल्कि सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प भी है। कार्यक्रम का समापन संघ गीत और प्रार्थना के साथ हुआ । उपस्थित स्वयंसेवकों ने देश की एकता और समाज समरसता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया । नगर में आयोजित यह आयोजन केवल संघ शताब्दी के वर्ष का उत्सव नहीं बल्कि आने वाले समय में राष्ट्रहित और समाज सेवा के प्रति समर्पित प्रतीक भी बन गया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कैलाश सोनी, महेंद्र नायक, मिश्रीलाल झाडे, कमलेश नाग, संतोष महापात्र, शिवराम बैक, पंडित कुरसाम, धनेश्वर दास, राजकुमार गुप्ता, अंकित गुप्ता, मायादीन गुप्ता , भागीरथी यादव , विजय दुबे एवं नगर कार्यवाह वैभव गुप्ता समेत अन्य उपस्थित रहे।

नवजात भ्रूण को एक कुत्ते ने नोच डाला

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर के सुभाष पारा इलाके में एक नवजात भ्रूण खुले में मिला, सोमवार देर रात एक कुत्ते ने इसे नोच डाला, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। स्थानीय लोगों ने देर रात करीब 1 बजे एक कुत्ते को भ्रूण नोचते हुए देखा। इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। उन्होंने भ्रूण को खुले में फेंकने वाले और गर्भपात कराने वाले अस्पताल की निंदा की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भानुप्रतापपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने वायरल तस्वीरों के आधार पर भ्रूण की तलाश की, लेकिन अब तक शव का पता नहीं चल पाया है। पुलिस गर्भपात कराने वाले अस्पताल और भ्रूण को फेंकने वाले व्यक्ति की तलाश में आस-पास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने जनता से शांति बनाए रखने और इस संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तुरंत सूचित करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाचार संक्षेप

अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे बैठे 7 मवेशियों को रौंदा

कांकेर,8 अक्टूबर। जिले के चारामा नगर पंचायत में एनएच-30 पर समता रंगमंच के पास बीती देर रात एक सड़क हादसा हुआ। रात करीब डेढ़ बजे एक अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे बैठे 7 मवेशियों को रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन अन्य मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गए । इस क्षेत्र में मवेशियों के सड़क हादसों का पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी दर्जनों बार वाहन की चपेट में आने से मवेशियों की जान जा चुकी है। गौ सेवकों ने बताया कि पिछले सप्ताह भी दो मवेशी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल हो गए थे, जिनका अभी भी पशु चिकित्सालय में इलाज चल रहा है । गौ सेवकों के अनुसार रात डेढ़ बजे के आस-पास रायपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक ने एनएच-30 किनारे बैठे मवेशियों को कुचल दिया और फरार हो गया । घटनास्थल पर एक मवेशी सड़क किनारे पड़ा मिला । नगरवासियों का कहना है कि मरकाटोला घाटी के पास कुछ लोग मवेशियों को छोड़ देते हैं।

कुएंमारी जलप्रपात में 13 वर्षीय लड़के की चट्टान से फिसलकर हुई मौत

कोंडागांव,8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के केशकाल ब्लॉक के अंतर्गत प्रसिद्ध कुएंमारी जलप्रपात में पुन~ एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 13 वर्षीय लड़के के झरने की चट्टान से फिसलकर गिरने से मौत हो गई, मृतक की पहचान कार्तिक मंडावी के रूप में हुई है, जो बटराली गांव का निवासी था। जानकारी के मुताबिक कार्तिक अपने दोस्तों के साथ कुएंमारी जलप्रपात घूमने गया था, इस दौरान झरने की ऊँचाई पर चढ़ते समय उसका पैर फिसल गया और वह नीचे चट्टानों पर गिर गया, बताया जा रहा है कि सर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इधर मामले की सूचना मिलते ही केशकाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए केशकाल अस्पताल भेजा गया है, पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

जेल से फरार मास्टरमाइंड नक्सली ने तेलंगाना में किया समर्पण

जगदलपुर,8 अक्टूबर। बस्तर में सक्रिय रहा दक्षिण बस्तर का डीवीसीएम मंदा रूबेन उर्फ कनन्ना उर्फ मंगन्ना उर्फ सुरेश ने तेलंगाना राज्य के वारंगल जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। मंदा रूबेन अपने करीब 44 सालों के नक्सल जीवन को त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौट गया। मंदा रूबेन पर करीब 10 लाख से ज्यादा का ईनाम घोषित है।रूबेन दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सचिव भी रहा है। बताया जाता है कि रूबेन 44 सालों से अंडरग्राउंड होकर काम करता रहा। वर्ष 1991 में जब उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया और केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंद किया, तो उसने जेल में ही अशोक, राजन्ना और नंदू के साथ फरार होने की योजना बनाई। उसने छत काटकर, टाइल्स हटाकर चादर-तौलियों के सहारे जेल की दीवार फांदी और भाग निकला। इस घटना को जगदलपुर जेल ब्रेक के नाम से जाना जाता।

फार्म मशीनरी बैंक से आमदनी हुई बेहतर खेती हुई आसान, मिला स्वरोजगार

कांकेर,8 अक्टूबर । जिले में आधुनिक तकनीकी से कृषि करने का विस्तार तेजी से हो रहा है। परम्परागत कृषि पद्धति के स्थान पर आधुनिक और उन्नत तकनीकी से खेती-किसानी का कार्य होने लगा है। गांवों में अब फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना कर ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, वहीं उनकी आमदनी बेहतर होने लगी है।जिला मुख्यालय कांकेर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कोकड़ी (विकासखण्ड कांकेर) निवासी श्री नरेश कुमार सिन्हा एक युवा कृषक है, जिन्होंने एम.ए तक शिक्षा प्राप्त कर खेती-किसानी को अपनाया है, उनके पास खेती का रकबा 6 एकड़ है, जिसमें वर्ष 2024 के पहले परम्परागत ढंग से कृषि कार्य करते हुए मात्र 03 लाख रूपये तक की आय प्रतिवर्ष अर्जित करते थे। उक्त परम्परागत पद्धति से कृषि कार्य करने से उत्पादन लागत अधिक एवं मुनाफा कम होता था।

चार पहिया वाहन पर स्टंट करने वाले पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

दंतेवाड़ा, 8 अक्टूबर। चार पहिया इनोवा वाहन क्रमांक CG18 के 6300 पर 6 लड़कों द्वारा स्टंट करते हुए वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा था जिसके संबंध में दंतेवाड़ा गौरव राय जी के द्वारा संज्ञान में लेते हुए यातायात पुलिस दंतेवाड़ा को उक्त वाहन को पतासाजी कर तत्काल कार्यवाही करने निर्देश प्राप्त होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दंतेवाड़ा यातायात प्रभारी प्रहलाद साहू और और टीम ने उक्त गाड़ी को पतासाजी किया तो गाड़ी दंतेवाड़ा का ही होना पाये जाने से तुरंत वाहन मालिक की संपर्क कर गाड़ी को कब्जे में लेकर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा - 184, , 119/177, 21(6), 194(क्त) के तहत उचित वैधानिक कार्यवाही कर तीन हजार एक सौ रुपये का समन शुल्क लिया गया।इस प्रकार की स्टंट बाजी से लोगों में गलत संदेश जाता है और कम उम्र के युवा ज्यादातर इसके शिकार होते हैं इसलिए उक्त स्टंट बाजों को थाना तलब कर समझाईश दिया गया की दोबारा इस प्रकार की कृत्य न करें ।

युवा संघ के शिविर में लोगों ने 40 यूनिट रक्तदान किया

गीदम, 8 अक्टूबर । ओसवाल जैन श्री संघ एवं समता युवा संघ गीदम के संयुक्त तत्वाधान में आचार्य श्री नानेश के 26वें स्मृति दिवस एवं वर्तमान आचार्य पूज्य श्री 1008 रामलाल महाराज साहब के आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 07 अक्टूबर 2025 को ओसवाल भवन गीदम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जैन एवं जैनेतर भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 40 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष विमलचंद सुराना, महामंत्री मोतीलाल सालेचा, मोहनलाल बुरड़, जयकुमार डागा, महावीर सुराना, नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना, समता युवा संघ के अध्यक्ष मदन गोलछा, उपाध्यक्ष विकास भंसाली, सचिव रवीश सुराना, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराज सुराना, उपाध्यक्ष गौतमचंद नाहटा, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल बुरड़, सोनू बुरड़ सहित समता युवा संघ के सभी सदस्य एवं श्री संघ के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में जिला अस्पताल दंतेवाड़ा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में पधारे सभी रक्तदाताओं को संघ की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए और उनका उत्साहवर्धन करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

रक्तदान का महत्व

रक्तदान एक महादान है, क्योंकि इससे अनेक ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। चिकित्सकों के अनुसार हर तीन महीने में स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है और यह न केवल जरूरतमंद मरीजों को जीवन देता है बल्कि दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। रक्तदान से शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, हृदय रोग और अन्य कई बीमारियों का खतरा कम होता है तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना प्रबल होती है। ऐसे आयोजन समाज में मानवीय संवेदना और एकता के भाव को और मजबूत बनाते हैं। रक्तदान करने वालों में ललित गोलछा, धीरज भंसाली, प्रमोद सोनी, सचेंद्र देवांगन, पीयूष बुरड़, देवेंद्र सुराना, विकास भंसाली, लालचंद डागा, जसराज सुराना, अजीत कुशवाह, विकास सिंह, दिनेश यादव, रोहित बाफना, विशाल सुराना, आयुष लोढ़ा, देवेश गोलछा, देव भंसाली, चंदन सोनी, हीरालाल सोनी, महेंद्र जैन, सुरेश गोलछा, अनिल सुराना, सरस्वती यादव, आयुष डागा, ऋषभ बाघमार, विकास स्वाइन, अजय गुप्ता, तुषार, कुशल, संतोष चोपड़ा, गुन्नू गोलछा, ईश्वरलाल सोनी, विनय गुप्ता, रोहित बुरड़, रावल सुराना, दिलीप डागा, समता लोढ़ा, स्वाति बुरड़, सोनू बुरड़ एवं राजेश सुराना शामिल रहे।

सहारा चुकाएगा बस्तर के 1600 लोगों को 100 करोड़ रुपये

जगदलपुर,8 अक्टूबर। सहारा समूह को बस्तर के 1600 निवेशकों को 100 करोड रुपए लौटना अभी और बाकी है। अब खबर आ रही है कि सहारा समूह अपनी संपत्ति अडानी को बेचने जा रहा है, इससे जो राशि प्राप्त होगी। उसे निवेशकों को लौटाई जाएगी। इसका लाभ बस्तर के सभी 3000 जमाकर्ताओं को भी मिलेगा।

सहारा समूह कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह समूह अब अपनी कुछ बड़ी संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज को बेचकर निवेशकों का पैसा वापस करना चाहता है। इस सौदे को पूरा करने की अनुमति देने के लिए सहारा समूह ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया है, अगर सुप्रीम कोर्ट इस सौदे को मंजूरी दे देती है, तो वर्षों से हजारों निवेशकों का पैसा वापस मिलने का रास्ता खुल सकता है।

बस्तर कार्यालय को मिला है 6 करोड़ रुपये

उल्लेखनीय है कि सहारा समूह के बस्तर स्थित कार्यालय में 3000 जमा कर्ताओं ने राशि जमा कराई है। इसमें से 1400 लोगों को 6 करोड रुपए दिया जा चुका है, शेष 1600 लोगों को 100 करोड रुपए और दिया जाना है। सहारा समूह में आपने जितने भी राशि जमा की है फिलहाल शासन के निर्देशानुसार जमाकर्ताओं को 50 हजार रूपये ही दिया जा रहा है। शेष राशि सहारा द्वारा राशि जमा किए जाने के आधार पर किस्तों में अदा करने की जानकारी मिल रही है। यह भी बताया गया कि सहारा समूह ने अब तक 15000 करोड रुपए शासन को दिया है तथा 9000 करोड रुपए अभी देना और बाकी है। सहारा समूह द्वारा अपनी संपत्ति बेचकर राशि जमा करने के बाद ही जमा कर्ताओं को राहत मिलने की बात कही जा रही है।

एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर बेचने की तैयारी

सहारा समूह की कंपनी, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर, जिन संपत्तियों को बेचने की अनुमति मांगी है , उनमें महाराष्ट्र की एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर शामिल हैं। याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। याचिका में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने कहा गया है। याचिका में यह भी कह गया है कि, मूल राशि में से सहारा समूह की कुल 24,030 करोड़ रुपये अपनी चल एक अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसे सेबी-सहारा रिफंड खाते में जमा कर दिया है।

पेंशन परिचय पत्र के लिए आभार सॉफ्टवेयर पर जानकारी अपलोड करने का आदेश

जगदलपुर, 8 अक्टूबर । राज्य शासन द्वारा पेंशनरों को डिजिटल पेंशन परिचय पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने राज्य शासन के द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुपालन में सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को तत्काल आभार सॉफ्टवेयर पर पेंशनरों से संबंधित अनिवार्य जानकारी अपलोड करने का निर्देश दिए हैं। यह पहल पेंशन वितरण प्रणाली को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भविष्य में पेंशनरों को परिचय पत्र के लिए कागजी प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।जारी आदेश में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए आभार सॉफ्टवेयर के लॉगिन में पालन की जाने वाली प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। इसके अनुसार डीडीओ लॉगिन में अपलोड करने का विकल्प चुनने के बाद कोषालय हेतु जानकारी अपलोड करने के विकल्प पर जाने और अंत में पेंशनर परिचय पत्र हेतु जानकारी अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को विशेष रूप से ध्यान देना होगा ।

बैलाडीला ड्राइवरों के परिवार को आर्थिक सहायता पूर्व अध्यक्ष राजू खरबन्दा का सराहनीय कदम

किरंदुल/बैलाडीला। बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन, बस्तर संभाग द्वारा ड्राइवर सदस्यों के निधन उपरांत उनके परिवार को आर्थिक सहायता देने की परम्परा का आरंभ संगठन के पूर्व अध्यक्ष श्री राजू खरबन्दा ने अपने कार्यकाल में किया था। यह कदम आज पूरे संभाग में प्रेरणा का उदाहरण बन चुका है।पूर्व अध्यक्ष राजू खरबन्दा का मानवता पूर्ण कार्य – मृतक ड्राइवर के परिवार को आर्थिक सहायता देने की परम्परा की शुरुआत।दस-दस हजार रुपए के फिक्स्ड डिपॉजिट चेक प्रदान – हाल ही में स्वर्गीय श्री राजू लोहार के परिवार के दो छोटे बच्चों कुमारी सन्तोषी एवं कु.सुश्मिता के नाम पर सहायता राशि दी गई।सहयोगी पदाधिकारियों का योगदान – पुर्व अध्यक्ष खरबन्दा अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर स्वयं परिवार से मिले और सहायता चेक सौंपा।अनेक अवसरों पर आर्थिक व शारीरिक क्षति सहायता – उनके नेतृत्व में घायल या दिवंगत ड्राइवर साथियों के परिवारों को राहत राशि प्रदान की गई। एसोसिएशन के उद्देश्यों को लागू कराने में विशेष योगदान – संगठन को सशक्त बनाने, ड्राइवरों के वेतन-भत्ते, मुआवजा और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई।नये कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण – ड्राइवर समुदाय के उज्जवल भविष्य हेतु कई योजनाएं बनाकर उन्हें लागू कराया। पूर्व अध्यक्ष और पदाधिकारियों की सराहना- राजू खरबन्दा एवं उनके कार्यकाल के पदाधिकारीयों की टीम ने अपने समर्पण, पारदर्शिता और सेवा भाव से बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया।उनके नेतृत्व में संगठन ने ड्राइवर हितों की रक्षा, एकता की मजबूती और सरकारी नियमों के पालन में मिसाल कायम की है।उनके योगदान से ही आज बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन, बस्तर संभाग –भारत सरकार से मान्यता प्राप्त, 500 से अधिक सदस्यों वाली प्रदेश की अग्रणी यूनियन के रूप में पहचान रखती है। ूर्व अध्यक्ष राजू खरबन्दा और उनकी कार्यकारिणी टीम ने न केवल संगठन को मजबूत किया,

एक नजर

29 लोगों का जत्था अयोध्या रवाना

सिमगा, 8 अक्टूबर। सिमगा जनपद के अंतर्गत 29 लोगों को अयोध्याधाम दर्शन हेतु भेजा गया। राज्य सरकार की महती योजना अयोध्या धाम में श्री राम लला के दर्शन योजना अंतर्गत सिमगा ब्लॉक अंतर्गत 29 लोगों को भगवान श्री राम लला के दर्शन हेतु भेजा गया। दर्शनार्थी भक्तों में भारी खुशी व्याप्त थी, जनप्रतिनिधियों ने सभी को बधाई दी। एवं भगवान राम सहित अयोध्या धाम दर्शन कर सकुशल वापसी को कामना भी की गई।जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ दौलत पाल, मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी. उपाध्यक्ष गोपाल शुक्ला, जनपद सभापति चन्द्र प्रकाश टोंडे, नगर पालिका उपाध्यक्ष विकाश सोनकर. अभिजीत अवस्थी. टिबू देवांगन पार्षद प्रतिनिधि अनूप तिवारी, पार्षद विनोद मिश्रा समाज सेवक , आदि ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया।साथ ही इस अवसर पर आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु व नागरिक गण उपस्थित थे।

कत्थक नृत्यांगना दीक्षा ने किया डोंगरगढ़ ब्लॉक का नाम रोशन

डोंगरगढ़, 8 अक्टूबर। धर्मनगरी की युवा कत्थक नृत्यांगना दीक्षा अग्रवाल ने हाल ही में दूरदर्शन के बी ग्रेड ऑडिशन में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दीक्षा ने अपना स्नातक इंद्राकला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से कत्थक नृत्य विषय में पूरा किया है। वर्तमान में वे कत्थक केंद्र, नई दिल्ली में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना गुरु गौरी दिवाकर जी के सान्निध्य में कत्थक की उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। दीक्षा का कहना है कि यह सफलता उनके गुरुजनों के मार्गदर्शन, माता-पिता के आशीर्वाद और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। वे अपनी इस उपलब्धि को अपने स्वर्गवासी दादा श्री द्वारकाप्रसाद जी अग्रवाल को समर्पित करती हैं, जिनसे उन्हें हमेशा प्रेरणा और संस्कार मिले। उन्होंने कहा कि वे आगे भी अपने नृत्य के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय परंपरा को नए आयामों तक पहुँचाने का संकल्प रखती हैं।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में पांच संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे

रायगढ़, 8 अक्टूबर। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन रायगढ़ स्टेडियम में 05 से 08 अक्टूबर तक हो रहा है जिसमें राज्य के 5 संभाग के चयनित खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तीसरे दिन व्हॉली बॉल बालक के फाइनल मैच में बस्तर प्रथम स्थान पर रहा। वहीं बिलासपुर ने द्वितीय एवं रायपुर संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार व्हॉली बॉल बालिका के फाइनल मैच में बस्तर प्रथम स्थान रही। वहीं दुर्ग-द्वितीय एवं बिलासपुर-तृतीय स्थान पर रही। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में क्रिकेट में रायपुर-प्रथम, सरगुजा-द्वितीय एवं बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा। खो-खो प्रतियोगिता बालक वर्ग में बस्तर संभाग प्रथम स्थान पर रहा। वहीं दुर्ग-द्वितीय एवं बिलासपुर तृतीय एवं बालिका में बस्तर-प्रथम, बिलासपुर-द्वितीय एवं दुर्ग तृतीय स्थान पर जीत पाकर नेशन शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के चयन लिए अपना नाम दावेदारी किया।

तमनार तहसील के 37 ग्रामों का एग्रीस्टेक पोर्टल में डाटा वेरिफिकेशन जारी

रायगढ़, 8 अक्टूबर। शासन द्वारा संचालित एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों का पंजीयन और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के अब तक 1,22,556 कृषकों का पंजीयन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। पंजीयन उपरांत प्रत्येक प्रविष्टि का सत्यापन एवं अनुमोदन पटवारी और तहसीलदार स्तर पर किया जा रहा है। पूर्व में तमनार तहसील के 37 ग्रामों के किसानों का डाटा तकनीकी त्रुटि के कारण जिला जशपुर के ग्राम मनोरा में प्रदर्शित हो रहा था, जिससे वेरिफिकेशन प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी।राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र शासन की फार्मर रजिस्ट्री तकनीकी टीम द्वारा समस्या का समाधान कर दिया गया है। अब संबंधित ग्रामों का समस्त डाटा तहसील तमनार के पटवारी एवं तहसीलदार की आईडी पर प्रदर्शित हो रहा है, जहां डाटा वेरिफिकेशन एवं अप्रूवल का कार्य तेज गति से जारी है। भू-अभिलेख शाखा के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025 में समर्थन मूल्य पर धान पंजीयन से कोई भी पात्र किसान वंचित नहीं रहेगा।

बरबट्टी और खीरा की खेती से आत्मनिर्भर बने बाह्मनपाली के किसान राज कुमार

रायगढ़, 8 अक्टूबर। कहते हैं, मेहनत, लगन और सही दिशा में किया गया प्रयास हर मुश्किल को आसान बना देता है। इसी बात को सच कर दिखाया है खरसिया विकासखंड के ग्राम बाह्मनपाली के प्रगतिशील किसान श्री राज कुमार साहू ने। उन्होंने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर बरबट्टी और खीरा जैसी नकदी फसलों को अपनाया और सीमित संसाधनों के बावजूद आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल की। श्री साहू ने अपने खेत के एक एकड़ क्षेत्र में बरबट्टी की खेती की। उद्यान विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन, उन्नत बीज, संतुलित खाद और समय पर सिंचाई के कारण उन्हें प्रति एकड़ 100 क्विंटल का उत्पादन प्राप्त हुआ।

एडमिन संतोष सिंह एवं सेफ्टी प्रमुख प्रदीप पांडा ने किया आयोजन

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स के एमडी के जन्मदिन पर आयोजित शिविर में 45 लोगों ने किया रक्तदान

बचेली, 8 अक्टूबर। 7 अक्टूबर 2025 को सामाजिक जिम्मेदारी और मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (के पी आई एल) ने अपने माननीय प्रबंध निदेशक (एमडी) के जन्मदिन के शुभअवसर पर एनएमडीसी बचेली अपोलो अस्पताल में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह पहल न केवल कंपनी की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी को मजबूत करती है, बल्कि क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

बचेली एनएमसीडी अपोलो परियोजना अस्पताल में

आयोजित इस शिविर में कुल 45 उत्साही स्वयंसेवकों ने अपना महत्रवपूर्ण रक्त दान महादान किया यह रक्त इकाइयाँ स्थानीय अस्पतालों और जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित होंगी, खासकर छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में जहाँ रक्त की कमी अक्सर आपातकालीन स्थितियों में चुनौती बन जाती है। शिविर का उद्घाटन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड, जो भारत की प्रमुख इंजीनियरिंग, प्रोक्योमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ई पी सी) कंपनियों में शुमार है, एनएमडीसी लिमिटेड के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में महत्वपूर्ण खनन और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर कार्यरत है। बैलाडीला आयरन और माइंस के निकट स्थित बचेली परियोजना कंपनी की राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के साथ साझेदारी का एक प्रमुख उदाहरण है। रक्तदान शिविर एमडी के जन्मदिन को एक सामाजिक उत्सव के रूप में बदलने का प्रयास था, जो कंपनी की संस्कृक्ति को प्रतिबिंबित करता है- जहाँ व्यक्तिगत खुशी को सामूहिक कल्याण से जोड़ा जाता है। रक्तदान महादान है, यह नारा शिविर का मूल मंत्र था। प्रतिभागियों ने एकमत होकर कहा कि एक यूनिट रक्त कई जिंदगियों को नई सांस दे सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में रक्तदान अभियान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ चिकित्सा सुविधाएँ सीमित हैं। यह शिविर न केवल तत्काल प्रभाव डालेगा, बल्कि भविष्य में और अधिक लोगों को प्रेरित करने का माध्यम बनेगा।

डोंगरगढ़ में धूमधाम से मनाया गया वाल्मीकि प्रगट

डोंगरगढ़,8 अक्टूबर। रामायण रचयिता महात्रृषि वाल्मीकि जी के प्रगट दिवस बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समाज के अध्यक्ष व पूर्व नपा अध्यक्ष तरुण हत्थेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सुदर्शन वाल्मीक समाज के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री हथेल द्वारा छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार से निवेदन करते मांग की गई है कि हम सबके आराध्य देव महात्रृषि वाल्मीकि जी का प्रकट दिवस 07 अक्टूबर को पूर्ण अवकाश की घोषणा की जाए जिससे ऐसी भागदौड़ भरी जिंदगी में महराज जी के ग्रँथ महसकाव्य जो विश्व को समर्पित सनातन सास्वत हिन्दू धर्म की सबसे पवित्र ग्रँथ रामायण को आत्मसात अनुशरण कर सके। इस धार्मिक शोभायात्रा में महिलाओं,नवयुवकों, बुजुर्गों और बच्चों ने शोभायात्रा और प्रभात फेरी निकाल भगवान वाल्मीकि की पूजा-अर्चना कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुट होकर सामाजिक एकता और सौहार्द का परिचय दिया। प्रकट उत्सव के दौरान समाज के सभी लोगों ने एक दूसरे को बधाई देते हुए कहा कि भगवान वाल्मीकि के आदर्शों पर चलकर हम हर समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। इस कार्यक्रम मे माँ शीतला महिला समिति का और नवयुवक रघुनंदन समिति सहित समाज के वरिष्ठजनो, प्यारे बच्चों का बहुत अच्छा सहयोग मिला। शोभायात्रा इंदिरा नगर से निकाल रेलवे चौक, बुधवारी पारा गोलबाजार, जयस्तंभ चौक अग्रसेन चौक, खंडूपारा होते इंदिरा नगर आकर समापन किया गया। इस दौरान रेलवे चौक के व्यापारी संघ,विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल,हनुमान भक्त युवा समिति के सदस्यों के द्वारा महात्रृषि बाल्मीकि जी की विधि विधान से पूजा अर्चना कर स्वागत सत्कार किया गया । शोभायात्रा में शामिल भक्तों को वाल्मीक अम्बेडकर भवन में अंकुट भोग प्रसाद ग्रहण करा कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गईं।

जिले में 1386.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 8 अक्टूबर। चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 7 अक्टूबर तक 1386.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है।

बीते 24 घंटे में जिले में 16.1 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है।

नेहरू महाविद्यालय में 10 दिवसीय शोध पत्र लेखन एवं वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

डोंगरगढ़ । शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) एव. रेवती के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु 10 दिवसीय शोध पत्र लेखन एवं वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण की प्रविधियों से सुसज्जित करना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय के पुराने भवन में डॉ. आर.आर. कोचे (प्रकोष्ठ प्रभारी, शैक्षिक उन्नयन, अनुसंधान, शिक्षण एवं शोध विकास समिति) एवं समिति सदस्य डॉ. नौशीन अंजुम के निर्देशन में प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ. एव. रेवती द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में प्राचार्य महोदया ने कहा कि ÷छात्र जीवन स्वयं में नवीन ज्ञान की खोज है। जब विद्यार्थी शोध की दिशा में कार्य करते हैं, तो उन्हें न केवल बौद्धिक विकास प्राप्त होता है बल्कि भविष्य में उत्कृष्ट अवसर भी प्राप्त होते हैं। यह प्रशिक्षण आपके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं प्रारूप की जानकारी -प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डॉ. आर.आर. कोचे ने शोध की महत्ता और इसकी आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों में शोध लेखन की तकनीकी दक्षता, विषय चयन, समस्या विश्लेषण, संदर्भ सूची निर्माण जैसी महत्वपूर्ण प्रविधियों की समझ को विकसित करेगा। इसके उपरांत डॉ. नौशीन अंजुम ने 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की दैनिक रूपरेखा प्रस्तुत की और पहले दिवस के सत्र का संचालन करते हुए वैज्ञानिक शोध, शोध प्रविधियों एवं शोध विषय के चयन पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही, समस्या के निर्धारण से संबंधित आवश्यक पहलुओं पर विद्यार्थियों से संवादात्मक चर्चा की गई।

आगामी सत्रों की रूपरेखा – प्रशिक्षण के आगामी नौ दिनों में निम्न विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिसमें शोध पत्र की संरचना एवं प्रारूपण, साहित्य समीक्षा, मात्रात्मक एवं गुणात्मक अनुसंधान तकनीकें, वर्ड तथा पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण कौशल, संदर्भ ग्रंथ सूची का निर्माण आदि। प्रत्येक दिन का प्रशिक्षण विद्यार्थियों की सहभागिता और व्यावहारिक गतिविधियों पर केंद्रित रहेगा, जिससे वे न केवल सिद्धांत को समझ सकें, बल्कि उसे अपने लेखन एवं प्रस्तुति में लागू भी कर सकें।

विविध विभागों के विद्यार्थियों की सहभागिता – इस प्रशिक्षण में स्नातकोत्तर भूगोल, हिंदी, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक पंजीयन कराया है। कार्यक्रम का समापन 15 अक्टूबर 2025 को समारोप समारोह के साथ प्रस्तावित है, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

डाक विभाग मना रहा राष्ट्रीय डाक सप्ताह

रायगढ़, 8 अक्टूबर। भारतीय डाक विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय डाक सप्ताह इस वर्ष भी 10 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। रायगढ़ डाक संभाग द्वारा इस सप्ताह के अंतर्गत डिजिटल इंडिया से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में विभिन्न रचनात्मक और जनसेवाभावी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य है -जनसेवा, पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार, वित्तीय सशक्तिकरण और नागरिक केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देना। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कई जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, शिविर और संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे है। जिसमें पहले दिन 6 अक्टूबर को डाकघरों में नई तकनीकों पर आधारित क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सोशल मीडिया पर टेक्नोलॉजी एनेबलमेंट से संबंधित इन्फोग्राफिक्स साझा किए गए। साथ ही, ग्राहकों एवं कर्मचारियों के अनुभवों पर आधारित विशेष वीडियो श्रृंखला भी जारी की गई। इसी तरह आज 7 अक्टूबर को वित्तीय समावेशन दिवस मनाया गया। जिसमें रायगढ़ संभाग ग्रामीण क्षेत्रों में सुकन्या समृद्धि योजना सहित अन्य डाक वित्तीय योजनाओं पर केंद्रित जनजागरूकता शिविर लगाया गया। जहां डाक चौपाल का आयोजन हुआ। वहीं प्रेरक मानवीय कहानियों और वित्तीय समावेशन से संबंधित इन्फोग्राफिक्स का प्रदर्शन किया गया।

8 अक्टूबर को फिलेटली एवं नागरिक केंद्रित सेवाएं दिवस के रुप में मनाया जाएगा। जिसमें डाक विभाग की विरासत को दर्शाते हुए स्कूली छात्रों के लिए डाकघर भ्रमण, क्विज प्रतियोगिता, और 'ढाई आखर' पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। साथ ही, चयनित विद्यालयों में आधार पंजीकरण शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। इसी तरह 9 अक्टूबर विश्व डाक दिवस पर सभी डाकघरों में पोस्टर और बैनर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे डाक विभाग की ऐतिहासिक यात्रा और वर्तमान नवाचारों की जानकारी आमजन तक पहुंचे। साथ ही 10 अक्टूबर को समापन दिवस को ग्राहक सेवा को समर्पित किया जाएगा। इस दिन संतुष्ट ग्राहकों की सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी। डाककर्मियों में व्यवहार सुधार और उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रेस मीटिंग एवं चर्चा सत्र आयोजित किए जाएंगे।

सराहनीय कार्य करने पर चंद्रा प्रकाश टोंडे सम्मानित

सिमगा, 8 अक्टूबर। केन्द्र पोषण माह मनाया गया जिस में बहुत ही अच्छा सरहनी काम कर रहे हैं हमारे जनपद सभापति चंद्रा प्रकाश टोंडे, जिस तरह गांव गांव जाकर समझाया गया उनको देखते हुवे, आज आदिवासी प्रदेश सहसचिव कृष्णा कुंजाम,ने जनपद सभापति चंद्रा प्रकाश टोंडे जी को सम्मानित के साथ उनको स्केच पेंसिल का फोटो भेंट किया गया ,अभी तक उनका जो कार्य कार्य देखते हुए बहुत खुशी के साथ उनको बधाई भी दिया गया।

केन्द्र पोषण माह मनाया गया इसमें गर्भवती का खान-पान एनीमिया स्तनपान गतिविधि के बारे में परियोजना अधिकारी सिमगा श्री जी आर नारंग सर द्वारा जानकारी दिया गया इसमें उपस्थित जिला पंचायत सभापति, जनपद सभापति चंद्रा प्रकाश टोंडे एवं महिला बाल विकास श्रीमती दीप्ति गोविंद वर्मा जी सरपंच श्री लोकेश पाठक एवं पंच श्रीमती विमला साहू श्रीमती शकुन बाई सुमित्रा साहू श्रीमती उर्मिला साहू श्री अयोध्या प्रसाद साहू एवं अन्य पंच पर्यवेक्षक श्री पुरूषोत्तम पाटले कार्य कर्ता श्रीमती सुमरीत साहू श्रीमती सुषमा निषाद एवं सहायिका तथा ग्रामवासी हितग्राही उपस्थित रहे

जिले के सभी 2271 शालाओं में चलेगा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान

रायगढ़, 8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की अंतर्गत राज्य के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में सामाजिक अंकेक्षण आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य शासन के निर्देश के अनुरूप रायगढ़ जिले के सभी 07 विकासखण्डों के 1428 प्राथमिक शालाएं, 638 पूर्व माध्यमिक शालाएं, 80 हाई स्कूल एवं 125 हायर सेकेंडरी स्कूल इस तरह रायगढ़ जिले के 2271 शासकीय स्कूलों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा।

सभी स्तर के स्कूलों के लिए अलग-अलग अंकेक्षण दल गठित किए गए हैं। जिसमें अंकेक्षण दल के नोडल अधिकारी उसे स्कूल के अतिरिक्त अन्य स्कूलों के शिक्षक, व्याख्याता या प्राचार्य शामिल है। उनके साथ स्थानीय स्तर के एसएमसी सदस्य, शिक्षक, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधियों को शामिल किया है। जो स्कूलों में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य करेंगे। सामाजिक अंकेक्षण करने की सूचना राज्य के निर्देश के अनुरूप संबंधित ग्राम में आयोजित ग्राम सभा में सामान्य जन को उपलब्ध कराई गई है और उन्हें आमंत्रित किया गया है।

राज्य के निर्देशों के अनुरूप रायगढ़ जिले में भी 08 अक्टूबर तक स्कूल में उपलब्धता की आधार पर अंकेक्षण दल के द्वारा 20 बिंदुओं में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य संपन्न किया जा रहा है। सामाजिक अंकेक्षण कार्य पूरा होने के बाद 20 प्रश्नों के रुब्रिक्स की एंट्री ऑनलाइन की जाएगी और इसके आधार पर स्कूलों की ग्रेडिंग कमजोर, औसत और अच्छे स्कूल के रुप में की जायेगी। जो कमजोर स्कूल रहेंगे उनकी गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष कदम राज्य शासन की निर्देशानुसार उठाए जाएंगे। सामाजिक अंकेक्षण की अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षण प्रक्रिया, विद्यार्थियों की उपलब्धियां, आधारभूत सुविधाएं और शिक्षक उपस्थिति जैसे संकेतकों के आधार पर ग्रेडिंग की जा रही है। यह पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की एक नई मिसाल है, जो विद्यालय में अपेक्षित गुणवत्ता तक नहीं पहुंच पा रहा है, उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर बच्चों को न्यौता भोज का भी आयोजन किया जा रहा है।

एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों का पंजीयन सर्वोच्च प्राथमिकता, अधिकारी गंभीरता से कार्य करें:कलेक्टर

रायगढ़, 8 अक्टूबर। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभागवार कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं में राज्य स्तर पर जिले की रैंकिंग को शीर्ष स्थान पर लाने के लिए संबंधित अधिकारी गंभीरतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक पात्र किसान का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को धान एवं अन्य खरीफ फसलों की बिक्री में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी अमला घर-घर जाकर ऐसे किसानों से संपर्क स्थापित कर पंजीयन कार्य पूर्ण करे, जिनका अभी तक किसी कारणवश एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पाया है।

कलेक्टर ने बताया कि एग्रीस्टैक पोर्टल किसानों के लिए एक डिजिटल डेटाबेस है, जिसमें उनकी भूमि, फसल, बीमा और पहचान संबंधी सभी सूचनाएँ सुरक्षित रहती हैं। यह पोर्टल किसानों को डिजिटल पहचान प्रदान करता है और शासन को किसान-केंद्रित योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि किसान कॉमन सर्विस सेंटर या धान खरीदी केंद्रों में जाकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएँ।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, स्वामित्व योजना, त्रुटि सुधार सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए लंबित मामलों में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में कम प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने मैदानी अमले को घर-घर जाकर पात्र हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम जनमन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट, सड़क अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर बल

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान भारत योजना, वय वंदना योजना, एनआरसी, सिकल सेल मिशन, कुष्ठ, टीबी उन्मूलन, डायलिसिस सुविधा एवं अस्पतालों की अधोसंरचना की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मानव संसाधन की उपलब्धता और मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राशन कार्ड ई-केवाईसी, चावल जमा प्रगति एवं सहकारी समितियों के गठन, स्कूली छात्र-छात्राओं के आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र किसानों को शत-प्रतिशत लाभान्वित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

कलेक्टर ने जनदर्शन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने पुसौर विकासखंड में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन का किया निरीक्षण

रायगढ़, 8 अक्टूबर। राज्य सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण श्रीमती मोनिका सिंह ने आज पुसौर विकासखंड के ग्राम पंचायत गेजामुडा, जोरापाली, कोड़ातराई, औरदा, केशला और दर्रामुडा में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों को सूखा, गीला एवं प्लास्टिक कचरा अलग-अलग संग्रह करने, घर-घर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित करने और जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए।

श्रीमती मोनिका सिंह ने गांवों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का नियमित और सही उपयोग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को कचरा फेंकने के प्रति सजग करने और सामुदायिक स्तर पर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश संबंधितों को दिए।

सुनील कुमार बाजारी ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए की दावेदारी

रायपुर,8 अक्टूबर। स्वतंत्रता सेनानी नेताजी कन्हैया लाल बाजारी के पौत्र एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुनील कुमार बाजारी ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अपनी औपचारिक दावेदारी प्रस्तुत की है। बाजारी ने कहा कि वे अपने पितामह की कांग्रेस विचारधारा और त्याग की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लगभग पिछले 45 वर्षों से संगठन के विभिन्न स्तरों पर सक्रिय रूप से कार्यरत हैं उन्होंने बताया कि सन् 1977 से लेकर अब तक वे कांग्रेस संगठन में सेवादल, युवा कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, शहर कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई जिम्मेदार पदों पर रहकर पार्टी को मजबूत करने का कार्य करते आ रहे हैं। बाजारी ने पार्टी के विभिन्न चुनावों में वाल राइटिंग, बूथ एजेंट, मतदाता सूची सर्वेक्षण, प्रचार सामग्री वितरण, मतगणना एजेंट, ब्लॉक प्रभारी, संचालक, संयोजक एवं बी.आर.ओ. जैसे अनेक दायित्वों का निर्वहन किया है।सुनील कुमार बाजारी का कहना है कि वे संगठन निर्माण और जनसंपर्क को ही कांग्रेस की असली ताकत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरे उत्साह, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा के साथ शहर कांग्रेस संगठन को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।उन्होंने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से आग्रह किया है कि उनके दीर्घ राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और कांग्रेसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए उनकी दावेदारी को स्वीकार किया जाए।बाजारी ने कहा ÷मैंने सदैव कांग्रेस के सिद्धांतों और विचारधारा के प्रति निष्ठा रखी है। अब मेरा उद्देश्य शहर कांग्रेस को जनता के बीच और अधिक मजबूत बनाना है ताकि पार्टी की जड़ें बूथ स्तर तक सशक्त हों।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया

सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप, खिलन पटेल ने 6 विकेट लिए

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। इंडिया अंडर-19 ने दूसरे यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 135 रन पर ऑल आउट हो गई। जबकि भारतीय टीम ने 171 रनों का स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ख्रछ्व सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

खेनिल पटेल ने 6 विकेट लिए

इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके। दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया। वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं। वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉरमेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आयुष म्हात्रे ने पूरे दौरे पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया।

पृथ्वी शॉ की गेंदबाज को बल्ले से मारने की कोशिश

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी के आगामी सीजन की शुरुआत होने वाली है। इस सीजन के शुरू होने से पहले मुंबई और महाराष्ट्र के बीच तीन दिनों का प्रैक्टिस मैच पुणे में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के स्टेडियम में खेला जा रहा है। पृथ्वी शॉ मुंबई को छोड़ कर महाराष्ट्र से खेल रहे हैं। शॉ का इस मैच में अपनी पुरानी टीम मुंबई के खिलाड़ियों के साथ नोकझोंक हुई। यह घटना तब हुई जब शॉ ने मुंबई के खिलाफ शानदार शतक (181 रन) जड़ा और इसके बाद मुंबई के स्पिनर मुशीर खान के साथ उनकी तीखी बहस हो गई।

महाराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। शॉ ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 220 गेंदों में 181 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 21 चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनके साथी सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी ने भी 140 गेंदों में 186 रन बनाए, जिसमें 33 चौके और चार छक्के शामिल थे। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रनों की विशाल साझेदारी की। हालांकि, विवाद तब शुरू हुआ जब शॉ 74वें ओवर में मुशीर खान की गेंद पर स्क्वायर लेग बाउंड्री पर इरफान उमैर के हाथों कैच आउट होकर पवेलियन लौटे। उस समय महाराष्ट्र का स्कोर तीन विकेट पर 430 रन था।

रेसलर अमन सहरावत एक साल के लिए बैन

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले अमन सहरावत पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ओवरवेट होने के कारण उन्हें मुकाबले से डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद की गई है।

22 साल के अमन सहरावत क्रोएशिया में 13 से 21 सितंबर के बीच हुई सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में भारत की ओर से उतरने वाले थे। लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। इस कारण उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया।

WFI ने 23 सितंबर को अमन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और 29 सितंबर तक जवाब मांगा था। अमन ने अपना जवाब दिया, लेकिन फेडरेशन की अनुशासन समिति ने उसे असंतोषजनक माना। इसके बाद फेडरेशन ने एक साल का प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

इसके अलावा, अमन के मुख्य कोच जगमंदर सिंह और उनके कोचिंग स्टाफ के अन्य तीन सदस्यों - विनोद, वीरेंद्र और नरेंद्र - से भी वजन प्रबंधन की निगरानी में विफलता के लिए स्पष्टीकरण मांगा गया है। फेडरेशन का कहना है कि कोचिंग स्टाफ ने भी खिलाड़ी के वजन की निगरानी में लापरवाही बरती।

ओवरवेट का नियम: 2023 में जारी वर्ल्ड यूनाइटेड रेसलिंग के नियमानुसार वर्ल्ड कप, रैंकिंग सीरीज और अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट में 2 द्मद्द तक ओवरवेट अलाऊ है, लेकिन ओलिंपिक गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए ऐसा कोई प्रोविजन नहीं है। अगर 1 ग्राम भी वजन ज्यादा हो तो डिस्क्वालिफाई कर दिया जाता है।

अमन पहले 10 घंटे में 4.6 kg वजन घटा चुके हैं: अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में सेमीफाइनल के बाद 10 घंटे में 4.6 द्मद्द वजन घटाया था।

एक नजर

विशाखापट्टनम स्टेडियम में मिताली राज के नाम पर स्टैंड

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। विशाखापट्नम स्टेडियम में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के नाम पर स्टैंड होगा। वहीं विकेटकीपर रवि कल्पना के नाम पर गेट का नाम रखा जाएगा। इनका उद्घाटन विमेंस वर्ल्ड कप में 12 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच से पहले किया जाएगा। महिलाओं के क्रिकेट में योगदान का सम्मान करने के तहत,ष्ट स्टैंड का नाम मिताली राज के नाम पर और एक गेट का नाम रवि कल्पना के नाम पर रखा जाएगा। मिताली राज और रवि कल्पना ने भारत में महिला क्रिकेट को एक नई पहचान दी। दोनों ने अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। मिताली भारतीय टीम की पूर्व कप्तान हैं और महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं। कल्पना, आंध्र प्रदेश में जन्मीं विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं, जिनका राज्य स्तर से भारतीय टीम तक का सफर रहा। मिताली राज के नाम महिला वनडे में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 232 वनडे में 50.68 की औसत से 7 शतकों के साथ 7805 रन बनाए। 89 टी-20 इंटरनेशनल में, उन्होंने 17 अर्धशतकों के साथ 37.52 की औसत से 2364 रन बनाए। वहीं, 12 टेस्ट मैचों में, उन्होंने 43.68 की औसत से 699 रन बनाए, जिसमें 214 का उनका बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने 23 साल के करियर के बाद 2022 में खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया।

मोहम्मद शमी का करियर खत्म? ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए भी नहीं चुने गए!

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई अब शमी को दोबारा भारतीय टीम में शामिल करने के मूड में नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ समय में शमी के घरेलू क्रिकेट प्रदर्शन खास नहीं रहे हैं और 35 वर्ष की उम्र पार करने के बाद उनका टीम में वापसी करना अब काफी मुश्किल माना जा रहा है। शमी ने भारत के लिए आखिरी बार मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेला था। उसके बाद चोटों के चलते वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहे और केवल घरेलू मैचों में ही हिस्सा लिया, लेकिन वहां भी उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित नहीं किया।
बीसीसीआई के एक अधिकारी ने द टेलीग्राफ से कहा, इस वक्त शमी के लिए टीम इंडिया में वापसी करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। दलीप ट्रॉफी मैच में भी वह ज्यादा प्रभावी नहीं रहे, बस एक-दो स्पेल अच्छे थे।

अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव आईसीसी 'मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नामित

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। एशिया कप 2025 में चमक बिखेरने वाले अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को आईसीसी 'मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नामित किया गया है। इसमें सितंबर माह में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चुना गया है, जिसमें जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी शामिल हैं। अभिषेक शर्मा ने एशिया कप के दौरान शानदार फॉर्म दिखाई। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 7 टी20 मुकाबलों में 314 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक ने तीन अर्धशतकीय पारियां भी खेलीं। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया।

वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव ने एशिया कप 2025 में 6.27 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट हासिल किए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कुलदीप यादव ने बांग्लादेश के विरुद्ध 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

भारत ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। भारत ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को 3 बार हराया। इस पूरे टूर्नामेंट में भारत अजेय रहा। वहीं जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट पूरे सितंबर में शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने नौ टी20 मुकाबलों में 55.22 की औसत के साथ 497 रन जुटाए। श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ सीरीज में शीर्ष पर रहने के बाद, उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप अफ्रीका रीजनल फाइनल में भी फॉर्म बरकरार रखी और अपनी पहली तीन पारियों में 72, 65 और 111 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ सभी मुकाबले जीते

कोलंबो 8 अक्टूबर (एजेंसी)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के लीग स्टेज में आज ऑस्ट्रेलिया का सामना पाकिस्तान से होगा। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला दोपहर 3:00 बजे से खेला जाएगा। टॉस 2:30 बजे होगा। दोनों टीमों का इस वर्ल्ड कप में तीसरा मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 89 रन से हराया, वहीं श्रीलंका के खिलाफ दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द रहा। वहीं, पाकिस्तान अपने पहले दोनों मुकाबले हार चुका है। टीम को बांग्लादेश और भारत ने हराया।

दोनों टीमों के बीच आखिरी ODI मुकाबला 2023 में खेला गया था। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 101 रन के बड़े अंतर से जीता था। पाकिस्तान विमेंस टीम आज तक ऑस्ट्रेलिया को किसी भी ODI मैच में नहीं हरा सकी है। दोनों टीमों के बीच 16 मैच खेले गए, सभी ऑस्ट्रेलिया ने जीते।

गार्डनर पर रहेगी नजरें

ऑस्ट्रेलिया टीम से एश्ले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड पर सभी की निगाहें रहेंगी। गार्डनर ने पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ा था। सोफी मोलेनिक्स 3 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर हैं।

कोलंबो में स्पिनर्स को फायदा

कोलंबो में स्पिनर्स को काफी मदद मिलती है। यहां अब तक 23 विमेंस वनडे खेले गए। 13 में पहले बैटिंग करने वाली टीम और 10 में चेज करने वाली टीम को जीत मिली।

सिद्रा पाक की टॉप स्कोरर

पाकिस्तान टीम की सिद्रा अमीन और डायना बेग अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर सकती हैं। सिद्रा टूर्नामेंट में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं। वहीं, डायना ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

कोलंबो में 25% बारिश के चांस

आज कोलंबो का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मैच वाले दिन यहां बारिश की आशंका भी है। आज यहां बारिश के 25त्न चांस हैं।
दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11
ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), फीब लिचफील्ड, एलिस पेरी, बेथ मूनी, एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलेनिक्स, अलाना किंग, किम गार्थ, डार्सी ब्राउन।

व्यापार

एक नजर

एयरटेल बिज़नेस को भारतीय रेलवे सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर का बहुवर्षीय कॉन्ट्रैक्ट मिला

रायपुर 8 अक्टूबर। एयरटेल बिज़नेस ने भारतीय रेलवे सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईआरएसओसी) से एक बहुवर्षीय कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है जिसके तहत एयरटेल बिजनेस भारत के रेलवे नेटवर्क के डिजिटल बैकबोन को सुरक्षित रखने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव, इंडस्ट्री-लीडिंग सिक्योरिटी सर्विसेज़ प्रदान करेगा। देश की रेलवे सेवाएँ एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति हैं, जिनके अंतर्गत रोज़ाना 13,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है, यह रोज़ाना 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को अपनी सेवाएं उपलब्ध कराती है, लाखों डिजिटल लेन-देन करती है, और हर साल 1.5 अरब टन से अधिक का माल ढोती है। आज जब साइबर खतरे हर तरफ बढ़ रहे हैं, ग्राहकों की पहचान, भुगतान जानकारी, टिकटिंग, ट्रेन ट्रैकिंग, माल ढुलाई और सिग्नलिंग जैसे संवेदनशील डेटाबेस समेत इस विशाल और अहम डेटा प्रवाह की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है।

अब कन्फर्म रेल टिकट में जर्नी डेट बदल सकेंगे

नई दिल्ली 8 अक्टूबर। कल की बड़ी खबर रेल टिकट और PI से जुड़ी रही। अब आप अपने कन्फर्म रेल टिकट में यात्रा तारीख बदलवा सकेंगे और इसके लिए आपको कोई कैंसिलेशन फीस या एक्स्ट्रा चार्ज भी नहीं देना पड़ेगा। वहीं, PI यूजर्स अब फेस और फिंगरप्रिंट के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। PI ऑपरेट करने वाली एजेंसी NPCI के नए बायोमेट्रिक फीचर्स को केंद्र सरकार ने आज यानी 7 अक्टूबर को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, कल सोने-चांदी के दाम फिर ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 692 रुपए बढ़कर 1,19,941 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले ये 1,19,249 रुपए पर था।

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में बढ़ा भारत का निर्यात

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। भारत का वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 26 चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में 5.19 प्रतिशत बढ़कर 346.10 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 329.03 अरब डॉलर था। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई। खास बात यह है कि भारत के निर्यात में ऐसे समय पर उछाल देखने को मिला है, जब अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अनिश्चितता के कारण परिस्थितियां विषम बनी हुई हैं।

वित्तमंत्री सीतारमण भी मौजूद रहीं; शापूरजी पलोनजी से सुलह की तैयारी

टाटा ट्रस्ट संकट-अमित शाह से मिले नोएल टाटा और चंद्रशेखरन

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। समूह के कुछ लोगों का मानना है कि मेहली मिस्त्री के नेतृत्व वाले चार ट्रस्टी टाटा ट्रस्ट्स में नोएल टाटा के नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा और टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।बोर्ड नियुक्तियों और प्रशासन संबंधी मुद्दों पर ट्रस्टियों के बीच चल रहे घमासान के बीच हुई मीटिंग में उपाध्यक्ष वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा भी मौजूद रहे।

टाटा ट्रस्ट में चल रहे विवाद से 15.9 लाख करोड़ रु. के ग्रुप पर असर पड़ने की आशंका के बीच मुलाकात अहम मानी जा रही है। इस बीच, टाटा समूह और शापूरजी पलोनजी ग्रुप के बीच विवाद खत्म करने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। टाटा ट्रस्ट्स एसपी ग्रुप को टाटा सन्स में 4-6% हिस्सेदारी बेचने की पेशकश कर सकता है। यह कदम एसपी ग्रुप के लिए जरूरी है क्योंकि उसे 30 हजार करोड़ रुपए का कर्ज चुकाना है। सरकार की चिंता यह है कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण एसपी ग्रुप भारी कर्ज के चलते डिफॉल्ट न कर दे।

नेतृत्व कमजोर करने का आरोप

टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की 66त्न हिस्सेदारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रतन टाटा के बाद चेयरमैन बने नोएल टाटा के एक पक्ष और मेहली मिस्त्री (एसपी ग्रुप) के नेतृत्व वाले दूसरे समूह के बीच फूट है। चार ट्रस्टी पर नोएल के नेतृत्व को कमजोर करने और 'सुपर बोर्ड' के रूप में काम करने का आरोप है। टाटा ट्रस्ट्स बोर्ड की 10 अक्टूबर को बैठक होने वाली है। क्या है टाटा ट्रस्ट में चल रही पावर कंट्रोवर्सी

टाटा ट्रस्ट्स, नमक से लेकर सेमीकंडक्टर तक कारोबार करने वाले इस समूह की प्रवर्तक और होल्डिंग कंपनी, टाटा संस में अपनी लगभग 66त्न हिस्सेदारी के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डालती है।

टाटा ट्रस्ट्स में दो धड़े हैं, जिनमें से एक धड़ा नोएल टाटा के साथ जुड़ा है, जिन्हें रतन टाटा के निधन के बाद ट्रस्ट्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। चार ट्रस्टियों के दूसरे समूह का नेतृत्व मेहली मिस्त्री कर रहे हैं, जिनका संबंध विस्तारित शापूरजी पलोनजी परिवार से है, जिसके पास टाटा संस में लगभग 18.37त्न हिस्सेदारी है।

मेहली को कथित तौर पर लगता है कि उन्हें महत्वपूर्ण मामलों से दूर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, विवाद का मुख्य कारण टाटा संस के बोर्ड में सीटें हैं, जो 156 साल पुराने समूह को नियंत्रित करती है, जिसमें 30 सूचीबद्ध फर्मों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा, देश की अर्थव्यवस्था के लिए टाटा समूह की अहमियत को देखते हुए सरकार के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वह किसी एक व्यक्ति को इसका नियंत्रण सौंप सकती है। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टियों के बीच चल रही अंदरूनी कलह का असर टाटा संस पर भी पड़ रहा है। 11 सितंबर की बैठक में, 77 साल के विजय सिंह, जो 2012 से निदेशक और 2018 से ट्रस्टी रहे, उनकी पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने रखा था। हालांकि, चार अन्य ट्रस्टियों - मेहली मिस्त्री, प्रमित झावेरी,

सितंबर में हुई बैठक के बाद बढ़ा विवाद

इस विवाद की जड़ टाटा ट्रस्ट्स के छह ट्रस्टियों की एक मीटिंग से जुड़ी है। यह ट्रस्ट्स सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और रतन टाटा ट्रस्ट सहित कई धर्मार्थ ट्रस्टों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख समूह है। 11 सितंबर को पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह की टाटा संस बोर्ड में नामित निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति पर विचार करने के लिए बैठक बुलाई गई थी।
सिंह समेत टाटा ट्रस्ट्स के सात ट्रस्टी हैं। सिंह 11 सितंबर की बैठक में शामिल नहीं हुए क्योंकि उनका नामांकन एजेंडे में था। अक्टूबर 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद, टाटा ट्रस्ट्स ने एक नीति पेश की जिसके तहत टाटा संस बोर्ड में नामित निदेशकों की 75 साल की उम्र पूरी होने पर एनुअल रीअपॉइंटमेंट जरूरी होगा।
जहांगीर एचसी जहागीर और डेरियस खंबाटा ने इसका विरोध किया, जिसके कारण प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद, चारों ट्रस्टियों ने मेहली मिस्त्री को टाटा संस के बोर्ड में नामित करने की मांग की, लेकिन नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने इस कदम का विरोध किया और टाटा के मूल्यों के अनुरूप एक पारदर्शी प्रक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया।

वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के ग्रोथ अनुमान को बढ़ाया

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। महज इतना ही नहीं, वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में आगे कहा है कि भारत इस साल भी दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 26 में बांग्लादेश की वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि भूटान के लिए हाइड्रोपावर कंस्ट्रक्शन में देरी के कारण वित्त वर्ष 26 के लिए पूर्वानुमान को घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, लेकिन वित्त वर्ष 27 में निर्माण की गति बढ़ने पर इसमें बदलाव होने की उम्मीद है।

वहीं, वित्त वर्ष 26 में मालदीव में विकास दर धीमी होकर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि नेपाल में, हाल की अशांति और बढ़ी हुई राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के कारण वित्त वर्ष 26 में विकास दर घटकर 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके अलावा, भारत के दक्षिण में स्थित श्रीलंका की विकास को वित्त वर्ष 26 में बढ़ाकर 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसकी वजह पर्यटन और सेवा निर्यात में मजबूत वृद्धि थी।

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती कनकदई मानिकपुरी पति स्व. नरसिंह मानिकपुरी, उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बीजापुर, प्लाटपारा, तहसील माकड़ी जिला कोण्डागांव छ.ग. शपथ पूर्वक निम्न लिखित सत्य कथन करती हूं।

यह कि मैं उपरोक्त वर्णित पते की मूल निवासी हूं।

यह कि मेरी पुत्री का वास्तविक सही नाम रुपा मानिकपुरी (Rupa Manikpuri) है, जो कि मेरी पुत्री के नाम से जारी जन्म प्रमाण पत्र एवं कक्षा 9 वीं की अंकसूची में दर्ज है सत्य एवं सही है। यह कि मेरी पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड नंबर 7606 1446 6970 में मेरी पुत्री का नाम लिपकीय त्रुटिवश रुपेश्वरी मानिकपुरी (Rupeshwari Manikpuri) अंकित हो गया है। यह कि मैं मेरी पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड में मेरी पुत्री का सही नाम रुपा मानिकपुरी (Rupa Manikpuri) अंकित करवाना चाहती हूं, जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता
श्रीमती कनकदई मानिकपुरी

सोना वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड तेजी से एमसीएक्स पर 1.22 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने के दिसंबर फ्यूचर्स की कीमत भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे 4,040 डॉलर प्रति औंस थी।सोने की कीमतों में तेजी की वजह वैश्विक अस्थिरता है, जिसके कारण निवेशक सोने में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में अतिरिक्त कटौती की संभावना ने इस तेजी को और हवा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट दाम 0.87 प्रतिशत बढ़कर 1,22,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिल रही है। चांदी के 5 दिसंबर के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 1,47,354 रुपए प्रति किलो हो गया है। इसकी कीमत में बुधवार को 1.07 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कॉमेक्स पर चांदी की कीमत 1.44 प्रतिशत बढ़कर 48.20 डॉलर प्रति औंस हो गई है। इस साल की शुरुआत से अब तक सोने ने 55 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने करीब 70 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। दुनिया के बड़े निवेश बैंकों में से एक गोल्डमैन सैश का कहना है कि सोना अगले साल तक 5,000 डॉलर प्रतिशत औंस तक जा सकता है, जो कि फिलहाल 4,000 डॉलर प्रति औंस से अधिक है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर वैश्विक अनिश्चितताएं बनी रहती हैं और फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती की ओर बढ़ता है, तो सोने की रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी रह सकती है। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश के कारण सोने की कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गई हैं बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश के कारण सोने की कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गई हैं। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका में सरकार का शटडाउन होना, फ्रांस में राजनीतिक उथल-पुथल, जापान और अर्जेंटीना में आर्थिक चिंताएं और रूस-यूक्रेन युद्ध में वृद्धि, कीमती धातुओं में खरीदारी को बढ़ावा दे रही हैं। **(इनपुट-आईएएनएस)**

पीयूष गोयल ने दोहा में कतर के मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली 8 अक्टूबर (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को दोहा में कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात की। उन्होंने खाड़ी देश के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह बैठक अगस्त में नई दिल्ली में हुई चर्चाओं के बाद हो रही है, जब अल-सईद ने एक उच्चस्तरीय निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारत का दौरा किया था। गोयल ने कहा कि अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात सुखद रही और दोनों देशों के बीच व्यापार व निवेश संबंधों को और मजबूत करने की आशा जताई गोयल ने दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा, अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मिलकर खुशी हुई।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रं. / 51 / न.पा.नि./ जलप्रदाय शाखा/2025-26 बीरगांव, दिनांक 03/10/2025

वार्षिक निविदा 2025-26 मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण Ist_Call

निकाय क्षेत्रान्तर्गत ट्यूब वेल में नया सबमर्सिबल पम्प डालना तथा पुराना सबमर्सिबल पम्प मरम्मत हेतु खोलना / डालना कार्य (लेबर वर्क) तथा प्लेटफार्म निर्माण कार्य (सामग्री एवं लेबर सहित) हेतु निविदा प्रपत्र ''बी'' में पात्र फर्मों से मुहरबंद निविदाएं तीन लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट / रजिस्ट्री डॉक से आमंत्रित निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 24.10.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 24.10.2025 सायं 5.00 बजे तक। निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31.10.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक। प्राप्त निविदाओं को खोलने की तिथि 31.10.2025 सायं 4.00 बजे।

कार्य समूह क्रं.	कार्य क्षेत्र	अनुमानित लागत राशि (लाख रू. में)
1	वार्ड क्रं. 28 से 36 बीरगांव-02	9.00

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से तथा साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाइट www.nagarnigam-birgaon.com अथवा संचालनालय की वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम बीरगांव,
जिला-रायपुर (छ.ग.)

एक नजर

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य

रायपुर, 8 अक्टूबर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। एग्रीस्टैक पोर्टल से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-1030 पर संपर्क किया जा सकता है। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी कि एग्रीस्टैक पोर्टल भारत सरकार द्वारा विकसित एक यूनिफाइड एग्रीकल्चर डेटाबेस है, जिसमें किसानों का भूमि एवं आधार लिंक्ड पंजीयन किया जाता है। पंजीकरण उपरांत किसानों को एक यूनिक फार्मर आईडी प्राप्त होती है। यह आधार लिंक्ड डेटाबेस शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ केवल वास्तविक पात्र किसानों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के तहत किसानों को सीधे भुगतान किया जाता है। अतः शासन की मंशा है कि सभी पात्र किसान सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ इस योजना का वास्तविक लाभ प्राप्त करें। एग्रीस्टैक में आधार-आधारित पंजीयन और ई-केवाईसी की व्यवस्था से संपूर्ण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता, सटीकता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित होगा। गत वर्ष राज्य के 25.49 लाख किसानों ने धान विक्रय किया था। वर्तमान वर्ष में अब तक 21.47 लाख किसानों ने एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकरण कर लिया है। शेष किसान अपने निकटतम सहकारी समिति या निर्धारित केंद्र में जाकर 31 अक्टूबर 2025 तक अपना पंजीयन करा सकते हैं।

डीकेएस अस्पताल से मरीज का मोबाइल पार

रायपुर 8 अक्टूबर। डीकेएस अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती मरीज का मोबाइल फोन पार करने के बाद हाईटेक चोर ने PhonePe एप के जरिए 72 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया. मामले में पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई है. जानकारी के अनुसार, रायपुर निवासी देवराज बेहरा को 27 जून को काम के दौरान ब्रेन हेमरेज होने पर अचेत होकर गिर पड़े थे. उनके सहकर्मियों ने इलाज के लिए उन्हें डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान 29 जून को ओटिशा में रहने वाले उनके भाई उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे थे. उसी वक्त देवराज का मोबाइल और पर्स मेडिसिन टेबल की दराज में रख दिया था।

नवा रायपुर में होगा रोमांचक एयर शो

रायपुर, 8 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 के अवसर पर नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में 5 नवंबर को भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम द्वारा प्रस्तावित भव्य एयरशो का आयोजन किया जाएगा। इससे एक दिन पहले 4 नवंबर को टीम द्वारा रिहर्सल किया जाएगा। आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह आयोजन प्रदेशवासियों के लिए रोमांच और गर्व से भर देने वाला अनुभव होगा। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर नम्रता जैन (आईएएस), जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एडीएम उमाशंकर बंदे तथा एएसपी विवेक शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक में शामिल हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर, 8 अक्टूबर। राज्य कर (जीएसटी) विभाग की समीक्षा बैठक आज नवा रायपुर में वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वित्त सचिव श्री मुकेश बंसल, आयुक्त राज्य कर श्री पुष्पेन्द्र मीणा सहित विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, राजस्व संग्रह, कर चोरी की रोकथाम और प्रशासनिक सुधारों की विस्तृत समीक्षा की गई। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद वर्ष 2022 तक राज्य को 14 प्रतिशत संरक्षित राजस्व में कमी की स्थिति में केंद्र से मुआवजा प्राप्त होता था।

रायपुर, 8 अक्टूबर। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत आज 8 अक्टूबर को रायपुर जिले के तीर्थयात्रियों का जत्था अयोध्या के लिए ट्रेन से रवाना हुआ।

ईआईआईटी रायपुर के छात्र की शर्मनाक करतूत,एआई से बनाई छात्राओं की अश्लील फोटो

रायपुर 8 अक्टूबर। नवा रायपुर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में अध्ययनरत छात्र का सनसनीखेज कारनामा सामने आया है. छात्र ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जरिए संस्थान में अध्ययनरत 36 छात्राओं के अश्लील वीडियो-फोटो बना डाले. जांच में छात्राओं की शिकायत सही पाए जाने पर संस्थान ने छात्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग के तृतीय वर्ष में अध्ययनरत छात्र की हरकत के बारे में छात्राओं को पता चला तो उन्होंने प्रबंधन से शिकायत की. प्रबंधन ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल छात्र के कमरे की तलाशी लेते हुए मोबाइल, लैपटॉप और पेन ड्राइव को जब्त कर जांच की.

जांच में छात्राओं की शिकायतें सही पाई गईं. इसके बाद छात्र के बिलासपुर में निवासरत परिजनों को बुलाकर छात्र की हरकत से अवगत कराते हुए निलंबित करते हुए तत्काल प्रभाव से संस्थान छोड़ने का निर्देश दिया. इसके साथ ही मामले में आगे की जांच के लिए महिला स्टाफ की एक कमेटी बनाई गई है, जो तकनीकी पहलुओं के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है.

छात्राओं ने बताया छात्र ने अपनी कक्षा की 36 छात्राओं की फोटो लेकर फेक कंटेंट और वीडियो तैयार किया है, जो उसके लैपटॉप और मोबाइल में मिला है. छात्राओं को डर है कि उसने किसी को ये फेक फोटो या वीडियो शेयर तो नहीं किया है, या फिर किसी सोशल मीडिया साइट या एप पर अपलोड तो नहीं किया है.

ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास ने बताया कि छात्राओं की शिकायत पर महिला स्टाफ ने तुरंत छात्र के कमरे की तलाशी ली. उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिया गया है. मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जो तकनीकी जांच के साथ अन्य पहलुओं पर भी काम कर रही है. यह गंभीर और संवेदनशील मसला है, इसलिए पूरी संवेदनशीलता और बारीकी से जांच की जा रही है।

पशुपालन मंत्री ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

पशुपालन और डेयरी उद्योग से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे : नेताम

रायपुर, 08 अक्टूबर । पशुधन विकास मंत्री मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि पशुपालन और डेयरी उद्योग के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्व के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश के रूप में भारत की पहचान है। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। पशुधन विकास मंत्री नेताम आज पशुधन गणना के लिए भारत सरकार इंटीग्रेटेड सिम्पल सर्वे के लिए तैयार किए गए ई-लिस मोबाईल एप्प एण्ड डाटाबेस पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राजीव गांधी नेशनल भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में आयोजित इस प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में उत्तरी जोनल स्तरीय इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार के पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ही बिहार, ओड़िसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप के प्रतिनिधियों तथा पशुधन विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए। पशुपालन मंत्री नेताम ने कहा कि पशुधन क्षेत्र की संभावनाओं का दोहन करने एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2047 तक के अनुमानित उत्पादन का आंकलन किया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में दूध उत्पादन 2124 हजार टन है एवं वृद्धि दर 8.58 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक राज्य का दूध उत्पादन 12209 हजार टन और अण्डा उत्पादन 2023-24 में 23876 लाख से बढ़कर वर्ष 2047 में उत्पादन 112351 लाख होने का अनुमान है इसी प्रकार मांस उत्पादन जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। मंत्री नेताम ने कहा कि आंकड़ों का उपयोग वैश्विक स्तर पर नियोजन, नीति निर्माण, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण है जिसमें प्रमुख पशु उत्पादन एवं उत्पादकता को प्राप्त करने के लिए एकीकृत न्यादर्श सर्वेक्षण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली से आए सांख्यिकीय सलाहकार एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक जगत हजारिका कहा कि भारत सरकार द्वारा पशुधन की गणना के लिए ई-लिस एप्प के माध्यम से करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-लिस से प्राप्त गणना सटीक व पारदर्शी परिणाम देते है। ये आकड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को दर्शाते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्राची साहू ने भी संबोधित किया। उन्होंने ई-लिस के सभी पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छत्तीसगढ़ पशुधन विकास विभाग के संचालक चंद्रकांत वर्मा ने प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस के उद्देश्य के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में राजीव गांधी नेशनल भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारी महेश सोन कुसरे, अपर संचालक के.के. ध्रुव सहित जिले स्तर के अधिकारी शामिल थे।

एनएसयुआई राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के रायपुर आगमन पर छात्र कार्यकर्ताओं में उत्साह

रायपुर 8 अक्टूबर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयुआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के रायपुर आगमन पर प्रदेशभर के छात्र कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश देखने को मिला। वरुण चौधरी आज दोपहर 2:25 बजे विमान से रायपुर पहुँचे, जहाँ विमानतल पर एनएसयुआई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात गांधी मैदान, रायपुर में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई, जिसमें सभी जिलों से प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और छात्र नेता शामिल हुए। बैठक में प्रदेश में लगातार बढ़ते अपराध, नशाखोरी और छात्र नेताओं पर दर्ज की जा रही फ़र्ज़ी एफआईआर के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा: बैठक के बाद वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसमें सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लिया।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में गृह मंत्री निवास घेराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस भवन से प्रारंभ होकर गांधी मैदान और ओसीएम चौक होते हुए छात्र नेताओं ने गृह मंत्री निवास की ओर कूच किया। इस घेराव में बड़ी संख्या में हस्दू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और छात्र शामिल हुए। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि छात्रों की आवाज़ को दबाने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हस्दू हर मोर्चे पर छात्रों और युवाओं के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि यदि जल्द ही फ़र्ज़ी एफआईआर वापस नहीं ली गई और अपराध व नशाखोरी पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री हनी बग्गा ने कहा कि छात्र नेताओं पर दर्ज फ़र्ज़ी एफआईआर वापस नहीं ली गई तो देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगा संगठन । बैठक में एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, प्रभारी महावीर गुर्जर, संजीव शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री हनी बग्गा, प्रतीक सिंह, अमित शर्मा, हेमंत पाल, संकल्प मिश्रा तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई की प्रमुख मांगें

» **फ़र्ज़ी एफआईआर की तत्काल वापसी**
छात्रों और युवाओं पर की गई सभी झूठी और निराधार एफआईआर को तुरंत वापस लिया जाए। जिन अधिकारियों ने राजनीतिक दबाव या दुर्भावना से ऐसी कार्रवाइयाँ की हैं, उनके विरुद्ध उचित विभागीय कार्यवाही की जाए।

» **अपराध और नशाखोरी पर सख्त कार्रवाई**
प्रदेश में बढ़ते अपराध, विशेषकर शैक्षणिक परिसरों और युवाओं के बीच फैल रहे नशे के जाल पर रोक लगाने के लिए कठोर अभियान चलाया जाए। दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और नशाखोरी से जुड़े गिरोहों पर निर्णायक प्रहार किया जाए।

» **छात्रों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी**
कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सुरक्षित, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल सुनिश्चित किया जाए। छात्र संगठनों की आवाज़ सुनी जाए और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार नियमित संवाद स्थापित करे।

भारतमाला परियोजना घोटाले की जांच रिपोर्ट केंद्र को भेजी, ईडी या सीबीआई को सौंपने की तैयारी

रायपुर , 8 अक्टूबर। भारतमाला परियोजना भू अर्जन मुआवजा राशि घोटाले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा भी जांच की जा सकती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भारतमाला परियोजना घोटाले की जांच रिपोर्ट केंद्र को भेज दी है।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकॉनामिक कॉरिडोर के मुआवजा घोटाला मामले की प्रशासनिक व ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच हो चुकी है। जांच में राजस्व अधिकारियों को घोटाले के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। साथ ही ईओडब्ल्यू-एसीबी ने एनएचएआई के तीन अधिकारियों की भी संलिप्तता मानकर प्रकरण तो दर्जकर लिया है, लेकिन जांच एजेंसी को एनएचएआई ने अफसरों के खिलाफकार्रवाई की अनुमति नहीं दी है।

एनएचएआई के मुताबिक जमीन अधिग्रहण व मुआवजा वितरण की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। ऐसे में एनएचएआई के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना उचित नहीं है। एनएचएआई के अफसरों का कहना है कि रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार इस मुआवजा घोटाला प्रकरण को ईडी या सीबीआई को सौंप सकती है। गौरतलब है कि ईडी ने भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाले के संबंध में दर्ज एफआईआर व जांच प्रतिवेदन की जानकारी ईओडब्ल्यू से मांगी थी। मामले में ईडी की ओर से ईसीआईआर दर्ज की जा सकती है। जानकारों का कहना है कि ये घोटाला शुरुआती अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ा है।

रायपुर, 8 अक्टूबर। करवाचौथ के लिए सजा बाजार।

10 अक्टूबर को साय कैबिनेट की बैठक

रायपुर, 08 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 को सुबह 11:30 बजे मंत्रालय (महानदी भवन) अटल नगर, नवा रायपुर में राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक आयोजित होगी। साय कैबिनेट की इस बैठक में धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू करने पर फैसला लिया जा सकता है। इसके अलावा एनएचएम कर्मचारियों और राज्योत्सव की तैयारियों पर चर्चा हो सकती है। इससे पहले पिछली बैठक 30 सितंबर को हुई थी। पिछली कैबिनेट बैठक में 100 स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद ने दिव्यांगजनों के हित में बड़ा फैसला करते हुए राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की बकाया ऋण राशि 24,50,05,457 (चौबीस करोड़ पचास लाख पांच हजार चार सौ सत्तावन रुपये) एकमुश्त वापस करने का निर्णय लिया गया था। मंत्रिपरिषद ने स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के भर्ती एवं पदोन्नति नियम-2019 के प्रावधानों में एक बार के लिए छूट देने का निर्णय लिया गया।

पलटवार प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा : कांग्रेस नेता एक परिवार के चरण छूने में खप गए, खप रहे हैं;

140 साल पुरानी कांग्रेस संगठन सृजन के लिए विवश हो, यह वैचारिक कंगाली व दयनीय दशा की बड़ी मिसाल : भाजपा

रायपुर, 8 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस के संगठन सृजन पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि 140 साल पुरानी हो चली कांग्रेस को अब फिर संगठन सृजन के लिए विवश होना पड़ रहा है, एक राजनीतिक दल के लिए वैचारिक कंगाली और दयनीय दशा की इससे बड़ी मिसाल शायद ही कहीं देखने को मिले। श्री ठाकुर ने कहा कि एक परिवार के आंगन में सत्ता-सिंहासन को कैद करके रख देने की नितांत अलोकतांत्रिक और परिवारवादी मानसिकता ने कांग्रेस को आज इस हालत में पहुँचा दिया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता

श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व का छत्तीसगढ़ के अपने नेताओं से भरोसा उठ चुका है, शायद इसी कारण से यहाँ जिला अध्यक्ष बनाने के लिए फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं और इस काम के लिए ऑब्जर्वर भेजे जा रहे हैं। यहाँ के नेताओं की आपसी सिर-फुटव्वल के कारण कांग्रेस कई धड़ों में बँटी हुई साफनजर आ रही है और अब कांग्रेस हाईकमान को जिला अध्यक्षों की नियुक्ति तक के काम में सीधी दखल देनी पड़ रही है। कांग्रेस का गुटीय घमासान अब कांग्रेस में राजनीतिक आपदा का रूप ले चुका है। कांग्रेस हाईकमान को कभी भी आदिवासी नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा है, शायद इसीलिए बैज को प्री हैड नहीं दिया गया और दिल्ली से ऑब्जर्वर भेजे जा रहे हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता एक परिवार के चरण छूने में खप गए, खप रहे हैं; लेकिन अपने कार्यकर्ताओं के मन को कभी छू नहीं पाए। यह स्थिति छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में है और इसीलिए पिछले 2014 से कांग्रेस धीरे-धीरे देश के कुछ राज्यों तक ही सिमटकर रह गई है। इससे कार्यकर्ताओं में भारी हताशा और निराशा है और अब वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं दे रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर कहा कि प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट भी यहाँ के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट नहीं कर पा रहे हैं। पायलट के तमाम 'पायलट प्रोजेक्ट' छत्तीसगढ़ में जिस तरह एक-एक करके फेल हो रहे हैं, उससे यह साफहो रहा है कि कांग्रेस नेतृत्वविहीन हो चली है और हर मौके पर यह पोल खुलती जा रही है। आज हालत यह है कि किसी एक का नेतृत्व कांग्रेस को स्वीकार नहीं है। श्री ठाकुर ने कहा कि लगातार दौरे पर दौरे करके भी पायलट एक तो अपने ही सामने बैठकों में नेताओं और कार्यकर्ताओं के आपसी संघर्ष को देखने के लिए विवश हैं; दूसरे, प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी तक की घोषणा तक नहीं करा पाए हैं। कांग्रेस में जो द्वंद्व की स्थिति है, उससे प्रदेश के नेता ही निपट नहीं पा रहे है तो सचिन पायलट इन हालात में कैसे कांग्रेस की नैया पार लगा पाएंगे और कैसे गुटीय संघर्ष की काजल-कोठरी में खुद को बेदाग व सुरक्षित रख पाएंगे

जल जीवन मिशन में कार्य पूर्णता में रायपुर दूसरे स्थान पर

रायपुर, 8 अक्टूबर। हर घर नल से जल पहुंचाने की केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन में कार्य पूर्णता के मामले में रायपुर जिला धमतरी के बाद राज्य में दूसरे स्थान पर है। यहां 95 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया है। रायपुर जिले में मिशन के अंतर्गत शामिल 477 गांवों में से 247 में काम पूर्ण कर जल आपूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। इन गांवों में नल जल योजनाओं को संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। अब वहां ग्राम पंचायतें पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था का संचालन व संधारण कर रही हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार बच्चन ने बताया कि मार्च-2026 तक रायपुर जिले के 126 और गांवों में सभी कार्यों को पूर्ण कर हर घर नल से जल की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन में रायपुर जिले के सभी 477 गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए कुल 393 पानी टंकिया बनाई जाएंगी जिनमें से 377 का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा शेष 16 पानी टंकियां निर्माणाधीन हैं। श्री बच्चन ने बताया कि रायपुर जिले में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजनाएं बनाने तथा स्वीकृति का कार्य वर्ष 2020-21 में प्रारंभ हुआ था। अलग-अलग चरणों में अलग-अलग गांवों के लिए योजना बनाकर इसका क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि सभी गांवों में कार्यों के निविदाएं आँनलाइन आमंत्रित की गई हैं तथा नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर कार्यादेश जारी किए गए हैं। निविदा आमंत्रित कर ही ठेकेदारों को कार्य दिए गए हैं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26